छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

वर्ष - 05 अंक - 35 बैकुंठपुर, मंगलवार 29 अक्टूबर 2024 पृष्ठ -8 मूल्य -1

www.cgfrontline.com

मोबाइल चोरी के संदेही से बर्बरतापूर्वक मारपीट करने वाला प्रधान आरक्षक निलम्बित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा संभाग में इन दिनों पुलिस विभाग किसी न किसी कारनामे को लेकर सुर्खियों में है। आए दिन पुलिस को लोग आरोपों के घेरे में ले रहे हैं। इसी क्रम में बस स्टैंड पुलिस सहायता केंद्र में पदस्थ प्रभारी प्रधान आरक्षक पर मोबाइल चोरी की बात को लेकर एक व्यक्ति से जमकर मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। घटना पुलिस अधिकारियों के संज्ञान में आया है, जिस पर जांच के बाद दोषी प्रधान आरक्षक को पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने निलंबित कर दिया है।

बस स्टैंड में ट्रांसपोर्टरों का काम करने वाले दर्रीपारा निवासी लालमन कुशवाहा का आरोप है कि दो दिन पूर्व एक वाहन का गेट खुला देखकर वह बंद करने के लिए कहा था, इसके बाद वहां से चले गया। इसके बाद उक्त वाहन से मोबाइल कब चोरी हुआ, यह उसे पता नहीं है। रविवार को बस स्टैंड के पुलिस सहायता केंद्र के देवनारायण नेताम ने पुलिस वाहन में उसे बैठने और थाना चलने के लिए कहा था। इसके बाद उससे मोबाइल के बारे में पूछताछ की गई। जब वह कहा कि मोबाइल के बारे में उसे कुछ भी पता नहीं है, तो बेल्ट से जमकर मारपीट की गई, जिससे काला निशान शरीर में उभर आया है, खून का थक्का जमा हो गया है। लगातार मारपीट के बीच उसे मोबाइल वापस करने पर एक हजार रुपये देने कहा गया था। मोबाइल लेने से वह इन्कार करते रहा, लेकिन मारपीट का दौर नहीं थमा। बाद में उसने मारपीट से बचने के लिए गायब मोबाइल का पांच हजार रुपये देने के लिए कहा था, जिसमें से तीन हजार रुपये दिया है, दो हजार रुपये और देने के लिए कहा है। आरोप है कि बिना कसूर के उसके साथ पुलिसकर्मी ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया। इसकी जानकारी वह पुलिस अधीक्षक को देने के लिए मंगलवार को अपनी पत्नी के साथ उनके कार्यालय पहुंचा था।

मारपीट कर घोर अनुशासनहीनता, प्रधान आरक्षक निलंबित

लालमन कुशवाहा के द्वारा सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय आकर आवेदन के माध्यम से बताया गया कि 27 अक्टूबर को बस स्टैंड चौकी में पदस्थ प्रधान आरक्षक देवनारायण नेताम के द्वारा मारपीट की गई है। मामले को संज्ञान में लेकर पुलिस अधीक्षक सरगुजा योगेश पटेल ने उपरोक्त प्रधान आरक्षक द्वारा आवेदक के साथ मारपीट कर घोर अनुशासहीनता प्रदर्शित करने पर छ.ग. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 के विपरीत कदाचार का होना पाया और प्रधान आरक्षक क्रमांक 01 देवनारायण नेताम थाना अंबिकापुर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में प्रधान आरक्षक का मुख्यालय रक्षित केन्द्र, अंबिकापुर रहेगा। इस अवधि में इन्हें नियमानुसार गुजारा भत्ता देय होगा।

जनजातीय अंचल में सोहराई तिहार के रूप में की जाती है लक्ष्मी पूजा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दीपावली का त्योहार भारत के सबसे बड़े और सर्वाधिक महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। आध्यात्मिक रूप से यह अन्धकार पर प्रकाश की विजय को दर्शाता है। भारतवर्ष में मनाए जाने वाले सभी पर्वों में दीपावली का सामाजिक और धार्मिक दोनों दृष्टि से अत्यधिक महत्व है।

दीपावली का पर्व कार्तिक कृष्ण पक्ष अमावस्या बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। यह पर्व भगवान राम के अयोध्या लौटने की याद में मनाया जाता है। भगवान श्री 14 वर्षों के वनवास के बाद लंका पर विजय प्राप्त कर कार्तिक महीने की अमावस्या को सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे, इसी खुशी में सभी नगरवासियों ने दीपक जलाए थे। इसलिए इस दिन दिवाली त्योहार मनाया जाता है। इस दिन लोग अपने घरों को दीयों, रंगोली, और अन्य चीज़ों से सजाते हैं। कार्तिक मास की सघन काली अमावस्या की रात्रि दीयों की रोशनी से जगमगा उठती है, इसलिए इसे रोशनी का त्योहार भी कहा जाता है। इस दिन माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की उपासना की जाती है। दीपावली का पर्व पूरे 5 दिनों तक मनाया जाता है, जिसमें हर दिन का अलग ही महत्व है। पहले दिन धन तेरस, दूसरे दिन छोटी दिवाली या नरक चतुर्दशी, तीसरे दिन बड़ी दिवाली में घर-घर लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। चौथे दिन गोवर्धन पूजा और पांचवे दिन भाई दूज का त्योहार मनाया जाता है। ग्रामीण अंचल में दीपावली के 11 दिन बाद देवउठनी एकादशी तिथि को सोहराई पर्व के नाम से दिवाली मनाते हैं। इसे यहां के जनजातीय लोग देवउठनी सोहराई कहते हैं।

सरगुजा अंचल की संस्कृति, मान्यताएं, और तीज त्योहार

बिल्कुल अनूठे हैं। सरगुजा अंचल में सोहराई के रूप में विशेष लक्ष्मी पूजा का पर्व माना जाता है। इस दिन लोग साफ सफाई करते हैं। और गौ माता की लक्ष्मी के रूप में उपासना करते हैं। जनजातीय समाज के लोग कार्तिक कृष्ण पक्ष आमावस्या के दिन सामान्य रूप से दिवाली मनाते हैं। किंतु इसके 11 दिन बाद देवउठनी एकादशी तिथि को सोहराई पर्व के नाम से बड़े ही धूमधाम से दिवाली मनाते हैं। इस दिन गाय के कोठा से घर तक गाय के खुर (पंजे) के निशान को छापते हुए घर तक निशान को बनाते हैं. इसे लक्ष्मी के आगमन का प्रतीक मानते हैं।

देवउठनी सोहराई पर्व के दिन खेलते हैं डार

देवउठनी सोहराई पर्व के दिन जनजाति समुदाय के लोग डार खेलते हैं। इसमें रात भर करमा नृत्य किया जाता है और सुबह नदी में जाकर स्नान करते हैं। सरगुजा आंचल में डार खेलने की एक परंपरा प्रचलित है। यहां त्योहारों में डार खेला जाता है। जैसे करमा डार, तीजा, डार, जीवितिया डार, दसांई डार और देवउठनी सोहराई में सोहराई डार खेला जाता है।

गौ माता को देते हैं लक्ष्मी का दर्जा

सरगुजा अंचल के जनजातीय लोग गौ माता को लक्ष्मी का दर्जा देते हैं। ये गौ माता को लक्ष्मी के रूप में पूजते हैं। इसलिए देवउठनी सोहराई के दिन घर की गौशाला से डेहरी तक गाय के पद चिन्ह को बनाते हैं और मां लक्ष्मी को घर आगमन का न्यौता देते हैं। इसके बाद आंगन में चावल की मिठाई, लाल कंद, कंद मूल, कुम्हड़े का फल आदि चढ़ाते हैं। इस दिन उपवास रह कर लाल कंद, कंद मूल, कुम्हड़े का फल इत्यादि चढ़ाकर मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं और फलाहार करते हैं।

देवउठनी एकादशी से देवता उठ जाते है

ऐसी मान्यता प्रचलित है कि देवउठनी एकादशी से देवता उठ जाते हैं। इसलिए कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवउठनी एकादशी का पर्व मनाया जाता है। ऐसी मान्यताएं हैं कि भगवान विष्णु आषाढ़ शुक्ल एकादशी को चार माह के लिए सो जाते हैं और कार्तिक शुक्ल एकादशी को जागते हैं। इन चार महीनों में देव शयन के कारण समस्त मांगलिक कार्य वर्जित होते हैं। इसी दिन से सारे शुभ कार्य प्रारंभ हो जाते हैं। सरगुजा अंचल के गांव में आदिवासी लोग भी इसी दिन को दिवाली के रूप में सोहराई पर्व मानाते हैं।

दिवाली सोहराई के दिन मनाते हैं कोठा तिहार

सरगुजा अंचल में देवउठनी एकादशी दिवाली के दिन कोठा तिहार भी मनाया जाता है, इसमें ग्रामीण लोग अपने गौ माता का पैर धो कर फूल माला चढ़कर लक्ष्मी के रूप में पूजा करते हैं। जनजातीय समाज के लोग अब धीरे-धीरे कार्तिक अमावस्या मुख्य दिवाली के दिन भी दीये जला कर गौ माता को मां लक्ष्मी के रूप की पूजा करते हैं, लेकिन इनकी मुख्य दिवाली देव उठनी एकादशी को सोहराय पर्व के रूप में मनाते हैं।

अजय कुमार चतुर्वेदी,
(राज्यपाल पुरस्कृत व्याख्याता)
सदस्य, जिला पुरातत्व संघ सूरजपुर

सांसद औचक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदयपुर पहुंचकर मरीजों से हुए रूबरू

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज गत रविवार को सुबह लगभग 10.30 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर में औचक निरीक्षण पर पहुंचे। सांसद इस दौरान पूरे स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया और स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने अपना बीपी एवं शुगर जांच भी करवाई। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ चिकित्सकों एवं उनके ड्यूटी रोस्टर के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण करते हुए आगामी दीपावली त्यौहार के मद्देनजर स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों एवं अन्य पैरामेडिकल स्टाफ की ड्यूटी लगाए जाने के निर्देश दिए, जिससे किसी तरह की आपात स्थिति में त्वरित सहायता की जा सके। उन्होंने इस दौरान निर्देशित किया कि आम नागरिकों को शासन द्वारा प्रदत सभी स्वास्थ्य सुविधाओं का शत-प्रतिशत लाभ मिले।

लालमाटी में आज जिला स्तरीय आवास मेला आयोजन

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत 29 अक्टूबर को विकासखण्ड लुण्ड्रा के ग्राम लालमाटी में एक दिवसीय जिला स्तरीय आवास मेले का आयोजन किया जा रहा है। आवास मेला सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज के मुख्य आतिथ्य में होगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो एवं जिला पंचायत सरगुजा की अध्यक्ष मधु सिंह शामिल होंगे।

31 अक्टूबर तक एकीकृत किसान पोर्टल में करना होगा पंजीयन

14 नवम्बर से समर्थन मूल्य पर होगी धान खरीदी

छ.ग. फ्रंटलाइन कोरिया। छत्तीसगढ़ शासन ने खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 14 नवम्बर से प्रारंभ करने का निर्णय लिया है।

एकीकृत किसान पोर्टल में किसान पंजीयन 31 अक्टूबर 2024 तक

छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के आदेशानुसार एकीकृत किसान पोर्टल में खरीफ वर्ष 2024 के लिए किसान पंजीयन तथा पंजीकृत किसानों द्वारा अपने भूमि पर लिए गए फसल का नाम तथा रकबा को अद्यतन करने की कार्यवाही 31 अक्टूबर 2024 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

भुइयां साफ्टवेयर में धान की शत-प्रतिशत त्रुटि रहित प्रविष्टि आवश्यक

एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकृत धान उत्पादक कृषकों से वर्तमान खरीफ विपणन वर्ष में फसल गिरादावरी के आधार पर भूईयां साफ्टवेयर में प्रविष्ट धान के रकबे के आधार पर खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में धान उपार्जन का कार्य किया जाएगा।फसल गिरादावरी का कार्य सही तरीके से नहीं करने, भुइयां साफ्टवेयर में धान फसल के रकबे की त्रुटिपूर्ण प्रविष्टि करने, धान फसल की रकबा को बढ़ाकर प्रविष्टि करने से न केवल धान उपार्जन की प्रक्रिया प्रभावित होगी बल्कि धान उपार्जन में धान की रिसाइक्लिंग की भी संभावना होगी। अतः एकीकृत किसान पोर्टल में किसान पंजीयन तथा भुइयां सॉफ्टवेयर में फसल धान की शत-प्रतिशत त्रुटि रहित प्रविष्टि अति आवश्यक है।

गलत तरीके से धान का विक्रय करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध होगी कार्यवाही

धान उपार्जन प्रारंभ होने के पूर्व ग्राम वार ऐसे कृषकों की सूची तैयार करना होगा, पूर्व वर्षों में धान विक्रय नहीं किए हैं या उनके नाम के भूमि के विरुद्ध अन्य व्यक्ति द्वारा गलत तरीके से धान का विक्रय किया गया है, ऐसी सूची समिति में उपलब्ध कराना होगा साथ ही समिति यदि ऐसे व्यक्ति के भूमि के विरुद्ध धान विक्रय हेतु टोकन लिया जाता है तो तत्काल एसडीएम को बताना होगा ताकि जांच निष्कर्ष अनुसार ही धान उपार्जन का कार्य सुनिश्चित हो।

एक प्रतिशत से ज्यादा कमी वाले खरीदी केन्द्रों में विशेष निगरानी

एक प्रतिशत से ज्यादा कमी वाले खरीदी केन्द्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी, उनके पर्यवेक्षण / निगरानी में धान खरीदी का कार्य किया जाएगा। धान के सुरक्षित रखरखाव हेतु उपलब्ध चबूतरे का समुचित उपयोग किया जाएगा एवं डनेज तथा तारपोलीन की पर्याप्त व्यवस्था किया जाएगा। उक्त खरीदी केन्द्रों से धान का निराकरण एवं परिवहन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा।

अवैध धान की आवक पर रोक के लिए जांच दल गठित

खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन अवधि के दौरान धान खरीदी केंद्रों में अवांछित व्यक्तियो द्वारा अन्य सीमावर्ती राज्यों से अवैध धान लाकर जिले के धान खरीदी केंद्रों में खपाने के प्रयास किए जाने से धान खरीदी व्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ने की आशंका बनी रहती हैं। इसके अतिरिक्त गांव/शहरी इलाकों में कोचियों/ बिचौलियों के द्वारा चिल्हर रूप से धान की खरीदी कर समिति में पंजीकृत किसान के रकबे में बेचने का प्रयास किया जा सकता है, इस समस्त गतिविधियों से अवैध धान की आवक पर रोकथाम एवं सघन जांच हेतु जांच दल गठित किया गया है। इस जांच दल में अनुभाग बैकुंठपुर एवं सोनहत मंडी सचिव श्री अंजली सिंह, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती वंदना सिंह श्याम एवं पटवारी श्री आशीष पाल तथा सोनहत में वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी श्री जयंत पैकरा एवं पटवारी सोनहत श्री देव नारायण सिंह को दल में शामिल किया गया है। गठित विशेष चेकिंग दल के द्वारा नियमित रूप से निरीक्षण कर अन्य राज्यों से अवैध धान की आवक की निगरानी एवं अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी द्वारा दिए गए हैं।

धान खरीदी की आरंभिक तैयारी 35 बिंदुओं के चेक लिस्ट में देना होगा जानकारी

कलेक्टर ने जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी की आरंभिक तैयारी के निरीक्षण एवं समुचित व्यवस्था हेतु 21 धान उपार्जन केंद्रों का भौतिक सत्यापन कर 42 अधिकारियों-कर्मचारियों को 35 बिंदुओं के चेक लिस्ट में जानकारी भरकर 2 नवम्बर तक जिले के खाद्य विभाग में प्रतिवेदन देने के निर्देश दिए हैं।

बैकुंठपुर के जोधपुर राजस्थान स्वीट्स पर खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन, 50 हजार रुपये का जुर्माना

छ.ग. फ्रंटलाइन कोरिया। बैकुंठपुर के मेसर्स जोधपुर राजस्थान स्वीट्स के विक्रेता श्री करण सिंह पर खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी श्री अरुण कुमार मरकाम ने 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी बैकुण्ठपुर ने 19 मार्च 2024 को महलपारा चौक स्थित इस प्रतिष्ठान से खोये का 250 ग्राम नमूना लेकर परीक्षण के लिए रायपुर की खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा था। 24 अप्रैल 2024 को आई रिपोर्ट में नमूने को अवमानक घोषित किया गया।

बता दें प्रतिवेदन के विरूद्ध श्री करण सिंह आत्मज श्री नरपत सिंह द्वारा निर्धारित समयावधि में अपील भी प्रस्तुत नहीं किया गया। जिससे यह स्पष्ट है कि अभियुक्त श्री करण सिंह आत्मज श्री नरपत सिंह, मेसर्स जोधपुर राजस्थान स्वीट्स, महलपारा चौक, बैकुण्ठपुर, द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 26(2)(ii) का उल्लंघन किया गया है, जो इसी अधिनियम की धारा 5 के अन्तर्गत जुर्माने से दण्डित किये जाने योग्य है।

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट 2006 के तहत इस पर कानूनी कार्यवाही की गई। श्री करण सिंह को निर्धारित समय में अपील का अवसर दिया गया था, परंतु उन्होंने इसका लाभ नहीं उठाया। मामले की जांच और विक्रेता के बयान के बाद, न्याय निर्णयन अधिकारी ने अधिनियम की धारा 51 के तहत 50 हजार रुपये के जुर्माने का आदेश दिया है। श्री करण सिंह को निर्देश दिया गया है कि वह 15 दिनों के भीतर यह राशि जमा करें, अन्यथा आगे की कानूनी कार्यवाही की जा सकती है।

माई भारत पोर्टल के एक वर्ष पूर्ण होने पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाष नगर में छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा माई भारत पोर्टल के एक वर्ष पूर्ण होने पर प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी रानी रजक के नेतृत्व में तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन शुरू किया। इसके अंतर्गत 27 अक्टूबर को स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन डिगमा ग्राम के हाट-बाजार में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि व्यापारी संघ के अध्यक्ष सुरेश गुप्ता, विशिष्ट अतिथि संघ के उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश शर्मा, जनप्रतिनिधि अरुणा सिंह, डॉ. एसएन पांडे कार्यक्रम समन्वयक रासेयो संत गहिरा गुरु

विश्वविद्यालय की उपस्थिति रही।

डॉ. एसएन पांडे ने सभी स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि उनका यह कार्य बाजार में उपस्थित सभी के लिए प्रेरणादायी होगा। सभी बाजार में स्वच्छता को प्राथमिकता दें, ताकि सभी हमेशा स्वस्थ रहें। व्यापारी संघ के उपाध्यक्ष ने कहा कि रासेयो के स्वयंसेवकों के प्रेरणास्पद कार्य से बाजार के लोग प्रेरित होंगे और बाजार को साफ-सुथरा रखेंगे। अतिथियों ने हाट बाजार को स्वयंसेवकों के साथ मिलकर स्वच्छ किया। बाजार में एकत्र किए गए समस्त कचरे को एक गड्ढे में डाला गया, जिससे कि वह खाद के रूप में एकत्र हो जाए और बाद में उसका प्रयोग किया जा सके। इस दौरान महाविद्यालय की सहायक अध्यापक प्रियालता जायसवाल, प्रीति साहू, उर्मिला यादव, सविता यादव, राधिका चौहान, पूजा रानी, अशैक्षणिक कर्मचारी गोल्डन सिंह, सुंदर राम, नितेश यादव, गंगा रानी पाल, शशिकला एक्का उपस्थित रहीं।

जलवायु परिवर्तन से कृषि पर प्रभाव विषय पर व्याख्यान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर में गत दिनों ऑनलाइन माध्यम से जलवायु परिवर्तन से भारतीय कृषि में प्रभाव का एक दिवसीय व्याख्यान का कार्यक्रम हुआ। व्याख्यान में रिसोर्स पर्सन के रूप में डॉ. काजल मोइत्रा विभागाध्यक्ष भूगोल एवं सोशल साइंस डॉक्टर रमन यूनिवर्सिटी बिलासपुर द्वारा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को व्याख्यान के माध्यम से अवगत कराया गया कि किस प्रकार ग्लोबलाइजेशन से बदलते परिवेश में भारतीय कृषि प्रभावित हो रही है। जिसके कारण खाद्य पदार्थ दूषित हो रहा है और खाद्य पदार्थ के दूषित होने से मानव जनजीवन प्रभावित हो रहे हैं। जिसके कारण अनेक बीमारियां उभर कर सामने आ रहे हैं। भारतीय कृषि को आधुनिकता में रखकर रासायनिक खाद के प्रयोग तथा वातावरण में अनेक दूषित पार्टिकल के मिलने के

कारण पॉयजन का रूप धारण कर लिया है। आज की आधुनिक चिकित्सा में बीमारी की बढ़ोतरी हुई है, जिसकी वजह खान-पान है। प्रारंभिक चिकित्सा में गिने चुने रोग हुआ करते थे और आज के समय में बीमारी की लंबी फेहरिस्त है। मानव जीवन एवं प्रकृति को बचाना है तो इसे अंतर्राष्ट्रीय लेवल में नियम बनाकर सख्ती से लागू करना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने और समय-समय पर होने वाले अंतरराष्ट्रीय सबमिट में ग्लोबलाइजेशन से संबंधित समस्याओं का समाधान करने के लिए नियम बनते रहते हैं लेकिन कई देश इस नियम को लागू नहीं करते हैं, जिस कारण अंटार्कटिका की बर्फ पिघल रहे हैं, जिसका दुष्प्रभाव मानव जीवन एवं प्रकृति में पड़ रहा है। डॉ. मोइत्रा ने कहा की हमें प्रकृति एवं मानव जीवन को बचाना है। इसलिए छात्र-छात्राएं इसे गंभीरता से लेकर ग्लोबलाइजेशन से होने वाले दुष्प्रभाव को काम करने के लिए आगे आएं। संस्था के प्राचार्य डीपी कोरी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह विषय ज्वलनशील है। इसे शिक्षाविद एवं जन भागीदारी के माध्यम से नियंत्रण किया जा सकता है। जैव विविधता होने के कारण वातावरण में प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल रहा है। कार्यक्रम में आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर शशि शेखर कुमार ने छात्र-छात्राओं को साप्ताहिक संगोष्ठी के ज्ञानवर्धन से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन मनीषा अंजलि तिर्की द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ज्ञानेश मुद्गल, शैलेश सिंह, नमन रोहिल्ला, निशांत मिंज, मृदुलता शर्मा, अंकुश सिंह सिसोदिया, प्रीति दास, साकेत दुबे, चंदन सिंह, सर्वेयर दास, प्रमिला सिंह व अन्य उपस्थित थे।

बस स्टैंड कांपलेक्स के समीप लगाए गए दुकानों को हटाने दिया ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। त्योहारी सीजन में बस स्टैंड के सामने टेंट लगा अतिरिक्त दुकान लगाए जाने से होने वाली दिक्कतों के मद्देनजर आज नगर पंचायत काम्पलेक्स के दुकानदारों व ऑटो संघ द्वारा नगर पंचायत बिश्रामपुर में ज्ञापन सौंपकर व्यवस्था सुदृढ़ कराए जाने की मांग की है। नगर पंचायत बिश्रामपुर प्रबंधन को दिए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि नगर पंचायत द्वारा निर्मित बस स्टैण्ड में जो दुकानें हैं, उसके आवागमन हेतु सामने रोड की जगह है। त्यौहारी सीजन में टेंट लगाकर सामने दुकान लगाया जा रहा है और बाकी जगहों पर टैक्सी स्टैण्ड होने से टैक्सी खड़ी की जाती है। जिस कारण कांपलेक्स की दुकानों में आवागमन बाधित हो जाता है और व्यापार प्रभावित हो रहा है। साथ ही ऑटो संघ द्वारा भी ज्ञापन में उक्त अतिरिक्त दुकानों की वजह से वाहन खड़ी करने में दिक्कत की बात कही गई है। नगर पंचायत कांपलेक्स के दुकानदारों ने उल्लेख किया है कि ऊंचे दामों में बोली लगाकर दुकानों को लिया गया है, इसके बाद हर महीने दुकान का किराया भी दिया जाता है। जब भी त्यौहारी सीजन आता है, कांपलेक्स की दुकानों के सामने टेंट लगाकर आवागमन बाधित कर दिया जाता है। जिस कारण आवागमन के अलावा उनके व्यापार पूरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। साथ ही यातायात व्यवस्था पूरी से तरह बिगड़ जाती है। इस तरह

दुकान लगाने से कई बार सड़क दुर्घटना में कई जाने भी जा चुकी हैं। कांपलेक्स के दुकानदारों ने नगर पंचायत प्रबंधन से उक्त अवैध दुकानों को हटाए जाने की मांग की गई है, जिससे आवागमन भी अवरूद्ध न हो और यातायात व्यवस्था भी प्रभावित न हो और न ही किसी भी प्रकार की दुर्घटना की आशंका बनी रहे।

रामनगर निवासी अमीर सिंह कोर्राम एसआई पद पर चयनित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। पुलिस विभाग में लंबे अरसे से रुके एसआई भर्ती का रिजल्ट आज जारी कर दिया गया है। एसआई भर्ती में 975 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। भर्ती की प्रक्रिया वर्ष 2018 से से शुरू हुई थी। एसआई भर्ती में जारी चयन सूची में ग्राम पंचायत रामनगर निवासी अमीर सिंह कोर्राम एसटी कोटे से 23 वाँ रैंक हासिल किया है। रामनगर निवासी अमीर सिंह कोर्राम के एसआई पद पर चयनित होने से परिजन व परिचितों ने हर्ष व्याप्त है।

करवां में जिला पंचायत सदस्य ने बांटा नवीन राशनकार्ड

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। सार्वजनिक खाद्य वितरण प्रणाली अंतर्गत ग्राम पंचायत करवां में जिला पंचायत सदस्य महेश्वर पैकरा के आतिथ्य में सभी हितग्राहियों का राशन कार्ड नवीनीकरण व नवीन राशन कार्ड का वितरण कार्यक्रम किया गया।साथ ही पूर्व में जिन हितग्राहियों का केवाईसी नहीं हुआ था उनका सूची के अनुसार केवाईसी कार्य भी कराया गया। इस दौरान सरपंच प्रतिनिधि ललन सिंह, पंचायत सचिव मदन राजवाड़े, मीर हसन अंसारी, टिकेश राजवाड़े, आध्या राजवाड़े, समिति के संचालक सोनालाल राजवाड़े सहित सभी हितग्राही उपस्थित थे।

राशनकार्ड नवीनीकरण की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत जिले में प्रचलित राशनकार्डों का नवीनीकरण किया जाना है।

छत्तीसगढ़ शासन खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा राशनकार्ड नवीनीकरण हेतु शेष बचे राशनकार्डों के नवीनीकरण की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2024 तय की गई है। उक्त अवधि में नवीनीकरण हेतु शेष राशन कार्ड धारक राशनकार्ड का नवीनीकरण अपने संबंधित शासकीय उचित मूल्य दुकान में उपस्थित होकर या अपने एंड्रॉयड मोबाइल मे राशन कार्ड नवीनीकरण एप के माध्यम से राशनकार्ड नवीनीकरण का आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए संबंधित विभाग से कार्यालयीन समय में सम्पर्क किया जा सकता है।

सरदार पटेल की जयंती पर एकता दौड़ का आयोजन आज

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। भारत रत्न लौह पुरूष सरदार वल्लभ पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर 29 अक्टूबर को प्रातः 7.30 बजे रन फॉर यूनिटी (एकता दौड़) का आयोजन किया गया है। यह दौड़ पुराना बस स्टैण्ड से प्रारम्भ होगा और हाई स्कूल बलरामपुर के खेल मैदान में समाप्त होगा। सरदार पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को है, इस दिन को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। 31 अक्टूबर को दीपावली त्यौहार को ध्यान में रखते हुए एकता दौड़ का आयोजन 29 अक्टूबर को किया गया है।

इंटक के केंद्रीय अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए केंद्रीय सचिव ने दिया इस्तीफा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। साऊथ ईस्टर्न कोयला मजदूर कांग्रेस इंटक के केंद्रीय सचिव अमरजीत सिंह ने कथित केंद्रीय अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। साथ ही पंजीयक रायपुर को पत्र प्रेषित करके मामले की जांच कराकर कार्यवाही की मांग की गई है। इंटक के केंद्रीय सचिव अमरजीत सिंह ने आरोप लगाया है कि कथित केंद्रीय अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह पर संघ के पैसे का दुरुपयोग करने, तानाशाही रवैया अपनाने, चंदा का हिसाब मांगने पर यूनियन से निष्कासित करने और पैसा लेकर यूनियन में क्षेत्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि पूर्व में भी यदि आपका कोई पदाधिकारी आपसे कार्यप्रणाली एवं मनमाने तरीके से कार्य करने पर सवाल करता है तो उस पदाधिकारी को

संगठन से बाहर करने का कार्य करते हैं और अपने ऊपर उठे सवाल का जवाब एवं निराकरण नहीं करते हैं। संपत शुक्ला को कम्पनी वेलफेयर सदस्य से हटाकर प्रितम पाठक को कम्पनी वेल्फेयर सदस्य बनाया गया है, विधि के विरूद्ध है और बिना जनरल कौंसिल के बैठक के लिया गया निर्णय है। बिना जनरल कौंसिल की बैठक किए रमेश चन्द्र मिश्रा एवं अब्दुल कलाम अंसारी को संगठन से हटाकर संगठन को क्षति पहुंचाने का कार्य किया गया है।पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि बाकी कार्यवाही बिना किसी से पूछे ही किया जाता है और यूनिट के चुनाव कराने की बात कही जाती है। श्रमिक संगठन के नियमों के तहत कोई भी सेवानिवृत्त सदस्य क्षेत्रीय एवं केन्द्रीय कमेटी में अध्यक्ष एवं सचिव नहीं बन सकता किंतु मनमाने तरीके से बिश्रामपुर क्षेत्र की कमेटी में श्याम प्रसाद घोषाल को क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। संगठन के खाते से जो संदीप चौधरी नामक व्यक्ति द्वारा राशि का आहरण किस अधिकार से किया गया है, यह समझ से परे है। केंद्रीय सचिव अमरजीत सिंह ने अपने पत्र में पंजीयक व्यवसायिक संघ इंद्रावती भवन रायपुर को प्रतिलिपि प्रेषित करते हुए गोपाल नारायण सिंह पर संघ के चंदे के गबन और संघ के संविधान के विरुद्ध कार्य करने पर आपत्ति व्यक्त करते हुए मामले की जांच कर उचित कार्यवाही की मांग की गई है। आरोप यह भी लगाया गया है कि कुसमुंडा क्षेत्र कोरबा में जनरल कौंसिल सदस्यों की बैठक में गोपाल नारायण सिंह को केंद्रीय अध्यक्ष पद से हटाकर सम्पत शुक्ला को केंद्रीय अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से चुना गया है। साथ ही गोपाल नारायण सिंह को अब एसईकेएमसी इंटक के सभी पद से हटाकर उन्हें इंटक की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किए जाने की भी बात कही गई है।

ग्राम पंचायत रूपपुर, जमई एवं शंकरपुर में फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली तैयार करने कार्यक्रम जारी

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन 2024-25 हेतु बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखण्ड वाड्रफनगर के ग्राम पंचायत रूपपुर, जमई एवं शंकरपुर के फोटोयुक्त निर्वाचन नामावली 1 जनवरी 2024 की स्थिति में तैयार किया जाना है। इसके लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 02 चरणों में कार्यक्रम जारी किया गया है। जिसके तहत प्रथम चरण में 29 अक्टूबर तक रजिस्ट्रीकरण/सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की नियुक्ति तथा उनका प्रशिक्षण, निर्वाचक नामावली जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त किया जाएगा। इसी प्रकार 01 नवम्बर 2024 को प्रचलित परिसीमन के आधार पर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा निर्वाचक नामावली को पंचायत एवं भागवार मार्किंग किया जाएगा। 05 नवम्बर तक वार्डवार एवं भागवार चिन्हित निर्वाचकों को सॉफ्टवेयर के माध्यम से दर्शित पंचायत के संबंधित भाग के अनुभाग को शिफ्ट करना, निर्वाचक नामावली के चेकलिस्ट तैयार व जांच तथा त्रुटी सुधार, निर्वाचक नामावली मुद्रण हेतु जिला निर्वाचन कार्यालय को प्रदाय तथा मुद्रण कराने के पश्चात रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को उपलब्ध कराया जाएगा। इसी प्रकार द्वितीय चरण में 06 नवम्बर को निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा। 11 नवम्बर तक इस संबंध में दावा-आपत्ति प्रस्तुत की जाएगी। 14 नवम्बर को दावा-आपत्तियों का निपटारा किया जाएगा। 16 नवम्बर को प्रारूप क-1 में रजिस्ट्रीकरण/सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को दावा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। 18 नवम्बर तक प्रारूप क-1 में प्राप्त दावा का निराकरण किया जाएगा। दावा-आपत्तियों के निराकरण आदेश के विरूद्ध अपील करने की अंतिम तिथि निराकरण ओदश पारित होने के 05 दिवस के भीतर करना होगा। 20 नवम्बर को परिवर्धन/संशोधन/विलोपन के प्रकरणों के प्रविष्टि सॉफ्टवेयर में किया जाएगा। 25 नवम्बर को चेक लिस्ट का निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जांच कराया जाएगा तथा पीडीएफ मुद्रण हेतु जिला कार्यालय को उपलब्ध कराना होगा। 27 नवम्बर तक अनुपूरक सूची का मुद्रण कराना और अनुपूरक सूची को मूल सूची के साथ संलग्न किया जाएगा। 29 नवम्बर 2024 को निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में भी विकासखण्ड वाड्रफनगर के ग्राम पंचायत रूपपुर, जमई एवं शंकरपुर में फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली तैयार करने के लिए छत्तीसगढ़ पंचायत निर्वाचन नियम 1993 की धारा 42 एवं छत्तीसगढ़ निर्वाचन 1995 के नियम 18 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का ने फोटोयुक्त मतदाता सूची तैयार करने के लिए विकासखण्ड वाड्रफनगर के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वाड्रफनगर को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं तहसीलदार वाड्रफनगर, तहसीलदार रघुनाथनगर, तहसीलदार चलगली को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया है।

हाथियों के आतंक से ग्रामीण परेशान हाथी की समस्या से

निजात दिलाने छोड़ रेंजर और एसडीओ दिखे फोटोग्राफी करते हुए

प्रतापपुर वन परिक्षेत्र में घूम रहा 9 हाथियों का दल, ग्रामीणों में दहशत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
प्रतापपुर। वन परिक्षेत्र में घूम रहा 9 हाथियों का दल, ग्रामीणों में दहशत वन परिक्षेत्र में हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है. प्रतापपुर वन परिक्षेत्र के धरमपुर सर्किल के गणेशपुर गोटगवां कनकनगर समेत दो दर्जन से भी ज्यादा गांव के ग्रामीण हाथियों के आतंक के साएं में आपना जीवन गुजर बसर करने पर मजबूर है हाथियों के आतंक के कारण स्कूल में छात्र छात्राओं की संख्या मे कमी आई है हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है. प्रतापपुर वन परिक्षेत्र के धरमपुर सर्किल समेत दो दर्जन से भी ज्यादा गांव के ग्रामीण हाथियों के आतंक के साएं में आपना जीवन गुजर बसर करने पर मजबूर हैं. वहीं दूसरी तरफ कनकनगर गणेशपुर गांव के प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल के छात्र और शिक्षक भी हाथियों के आतंक से बेहद परेशान हैं। ग्रामीणों की मानें तो प्रतापपुर वन परिक्षेत्र में करीब अभी 9 हाथियों का एक दल विचरण कर रहा है. वहीं जंगल से सटे कनकनगर गणेशपुर गांव में 3-4 बजते ही हाथी गांव का रुख कर लेते हैं. इससे स्कूल के छात्र छात्राओं और शिक्षकों को दहशत के साए में पूरे दिन रहना पड़ता है. यही वजह भी है कि स्कूल में छात्र छात्राओं की संख्या बेहद कम होती जा रही है.वहीं छात्रों के अभिभावक भी क्षेत्र में हाथियों के आतंक को लेकर परेशान हैं. उन्हें अक्सर अपने बच्चों की सलामती की सताती रहती है. मामले में गांव के सरपंच ने बताया कि हाथियों को जंगल में रखने के लिए कई पहल किए जा चुके हैं, लेकिन कोई भी उपाय कारगर साबित नहीं हो पा रहा है.बहरहाल, इस दौरान हाथियों ने कई लोगों की जान तक ले ली है. बावजूद इसके इस ओर कोई ठोस पहल उठाए जाने के बजाए वन विभाग बस मुआवजा देकर अपना पल्ला झाड़ लेता है.

अघोषित नाकेबंदी मुख्य मार्ग को रोका गया

गणेशपुर कनक नगर मुख्य मार्ग इसी मार्ग में कनक नगर बस्ती से पहले मुख्यमंत्री डीएवी स्कूल में संचालित हो रही है इस मार्ग से कई लोगों का आना-जाना होता है लेकिन वन विभाग की टीम ने इस मार्ग में नाकेबंदी कर रखी है जिसे लोगों को आने-जाने में भी परेशानी हो रही है इस तरह से दर्जनों गांव के ग्रामीण काफी परेशान है।

सैकड़ो एकड़ फसल बर्बाद लेकिन मुआवजा का पता नहीं

वही बात करें तो वर्तमान समय में फसलों का कटाई का समय है सैकड़ो एकड़ में धान की फसल बर्बाद हो रही है जिससे किसान खड़ी फसल बर्बाद होने से काफी मायूस है वही मुआवजा के नाम पर जो राशि दी जा रही है उसकी प्रक्रिया इतनी कठिन है कि किसानों को तत्काल मुआवजा प्राप्त नहीं हो पा रहा है।

अनुभव विहीन रेंजर की पद स्थापना क्यों बड़ी प्रश्न

वन परिक्षेत्र प्रतापपुर में अनुभवहीन रेंजर की पद स्थापना शुरू से विवादों में रही है एक ऐसे वन परिक्षेत्र अधिकारी की पोस्टिंग प्रतापपुर परिक्षेत्र में कर दी गई है जिन्हें हाथी प्रबंधन की बिल्कुल भी जानकारी नहीं है नौकरी में आने के बाद दूसरी पोस्टिंग प्रतापपुर में ही की गई है जबकि वन परिक्षेत्र प्रतापपुर छत्तीसगढ़ राज्य के सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र है जिसमें एक अनुभव विहीन वन परिक्षेत्र अधिकारी की पदस्थापना कर दी गई है जिससे हाथी प्रबंधन बिल्कुल चरमरा गई है हाल फिलहाल में मुख्य वन संरक्षक वन प्राणी अंबिकापुर में क्षेत्रीय विधायक व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक में अनुभव विभिन्न रेंजर की बात उठी थी लेकिन शासन स्तर पर अभी तक कार्यवाही नहीं हुई।

Created by Universal Document Converter

सम्पादकीय

कश्मीर में लक्षित आतंकवाद

जम्मू-कश्मीर में गांदरबल मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का चुनाव-क्षेत्र है, जिसके गगनगीर इलाके में आतंकियों ने हमला कर एक डॉक्टर और 6 अन्य कर्मियों, मजदूरों की हत्या कर दी। यह भारत सरकार, संघशासित क्षेत्र की सरकार के लिए पहली, गंभीर चुनौती है। आतंकवाद अपनी समग्रता में ही राष्ट्रीय चुनौती रहा है। हालांकि आज वह आतंकवाद नहीं है, जब एक दौर में 1508 नागरिकों और 883 जांबाज जवानों को मार दिया गया था। तब एक दौर में 2800 से अधिक आतंकी हमले हुए थे। आतंकवादी भी व्यापक स्तर पर ढेर किए गए। यकीनन हमारे सुरक्षाकर्मियों और रणनीतियों ने आतंकवाद के घुटने तोड़े हैं, लेकिन गगनगीर के हमले ने हमें चिंतित कर सोचने को बाध्य कर दिया है। दरअसल कश्मीर का नूर और जन्नत उसी दिन लौटेंगे, जब लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे पाकपरस्त आतंकी संगठनों के स्थानीय गिरोह और मॉड्यूल बनना और आतंकी साजिशों में शामिल होना बंद कर देंगे। आतंक के स्थानीय मददगार आज भी जिंदा हैं और कश्मीरियत के बीच ही बसे हैं। पैसे ने नए जयचंद भी पैदा कर दिए हैं। चूंकि द रजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है, लिहाजा साफ है कि स्थानीय मददगार आतंकियों के साथ हैं। सरकार ने टीआरएफ को आतंकी संगठन करार दिया है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर में वह लश्कर का मुखौटा संगठन है। हमले का मास्टरमाइंड सरगना शेख सज्जाद गुल बताया गया है और वह पाकिस्तान में मौजूद है, लिहाजा साफ है कि लश्कर आज भी कश्मीर में आतंकवाद मचा रहा है।

स्थानीय जयचंदों को कुचला क्यों नहीं जा सकता, यह एक सहज सवाल है। बेशक आतंकवाद से जुड़े आंकड़े बहुत कम हुए हैं, लेकिन तीन सालों के दौरान 22 लक्षित हत्याएं फिर भी की गई हैं। इनमें 16 बाहरी, गैर-कश्मीरी, एक कश्मीरी पंडित और 3 अन्य स्थानीय लोगों को मारा गया है। इतने परिवार बर्बाद हुए। जिंदगियां बिखर कर रह गईं। 2024 में अभी तक 12 लोग लक्षित आतंकवाद के शिकार हो चुके हैं। यह आतंकवाद की ऐसी रणनीति है कि हमले के निशाने तय कर लिए जाते हैं, बाकायदा रेकी की जाती है और फिर एक दिन उन निशानों (या लक्ष्यों) पर हमला बोल दिया जाता है। सभी मृतक एक सुरंग के निर्माण-कार्य में लगे थे। एकमात्र डॉ. शाहनवाज डार को मजदूरों, कर्मियों की सेहत की देखभाल को कुछ ही दिन पहले नियुक्त किया गया था। लक्षित आतंकवाद ने किसी को भी नहीं छोड़ा। जिनकी हत्या कर दी गई, उनमें जम्मू-कश्मीर के अलावा पंजाब और बिहार आदि राज्यों के नागरिक भी थे। ऐसा भी लगता है कि बुनियादी ढांचे के निर्माण और विस्तार भी आतंकियों की आंखों में चुभते हैं, लिहाजा वे भी निशाने पर हैं। गांदरबल हमले को भी जोड़ लें, तब भी इस साल कश्मीर की 48 घटनाओं में कुल 102 लोग मारे जा चुके हैं। इनमें 52 आतंकी भी शामिल हैं। लक्षित आतंकवाद कोई नई प्रवृत्ति नहीं है। बहरहाल इस आतंकी हमले ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष एवं कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डा. फारूक अब्दुल्ला के अंतर्मन को इस कदर झकझोरा है कि वह पाकिस्तान पर ही उबल पड़े और बार-बार कहा कि कश्मीर कभी भी पाकिस्तान नहीं बनेगा, नहीं बनेगा। यदि पाकिस्तान हमसे दोस्ताना रिश्ते चाहता है, तो यह दरिंदगी बंद करनी पड़ेगी। फारूक को अभी तक पाकपरस्त मानसिकता का राजनेता माना जाता रहा है। अब वह बदले नजर आ रहे हैं, तो शायद इसलिए कि संघशासित क्षेत्र में सरकार उनकी पार्टी की है और उनका बेटा मुख्यमंत्री है। बहरहाल इससे न तो पाकिस्तान बदलेगा और न ही लक्षित आतंकवाद नेस्तनाबूद होगा। अलबत्ता आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई पुख्ता और निरंतर हो सकती है।

फैलता वाहन समागम

दिव्य हिमाचल के साप्ताहिक सर्वेक्षण में 53 प्रतिशत वाहन मालिकों ने बताया कि उनके पास पार्किंग की सहूलियत नहीं है, जबकि 45 फीसदी अपने घर में गाडियां खड़ी करते हैं। करीब 24 लाख पंजीकृत वाहनों में व्यावसायिक वाहन निकाल भी दें, तो आंकड़ा यातायात की मुसीबतों में इजाफा कर रहा है। यह स्थिति बाहरी वाहनों के आगमन से और विकराल होती जा रही है। पर्यटन में बाहरी वाहनों की संख्या में बढ़ोतरी करती अटल टनल जब रोजाना दस हजार की शुमारी करती है, तो यह चेतावनी भरी तरक्की है। वाहन बेशक पर्यटन की जरूरत हैं, लेकिन क्या हमारी योजनाएं इसके अनुरूप तैयार हुईं। यह दीगर है कि शिमला के ट्रैफिक सिस्टम को बेहतर करने के लिए रज्जु मार्ग को अपनाने के प्रयास हो रहे हैं। आश्चर्य यह कि घटती जमीन पर वाहन बढ़ रहे हैं, जबकि शहरी सांसों का दम घुट रहा है। पहले ही समारोहों से छलनी सार्वजनिक मैदान सिकुड़ रहे हैं, तो सडकों पर अतिक्रमण करती इमारतों के बाद वाहनों का समागम फैल रहा है। पार्किंग अब एक ऐसा उद्देश्य है, जहां हर निर्माण की वैधता, परिवहन की आवश्यकता व सरकारों की इच्छाशक्ति का होना लाजिमी है। यह वाहन पंजीकरण की शर्त क्यों नहीं कि पार्किंग के बिना वाहन खरीद की रसीद पुख्ता न होनी दी जाए। ऐसे में अगर वाहन पंजीकरण के साथ एकमुश्त पार्किंग फीस लेकर पार्किंग फंड बनाया जाए, तो विकास की परिकल्पना और प्राथमिकता बदलेगी। दूसरी ओर बाहरी वाहनों पर ग्रीन टैक्स लगाकर पर्यटक स्थलों में पार्किंग व वैकल्पिक परिवहन से समाधान सुनिश्चित किए जा सकते हैं। आश्चर्य यह कि पर्यटक स्थलों पर वाहनों की अफरा-तफरी में या तो टैक्स वसूली बढ़ जाती है या सारी यात्रा का मजा किरकिरा हो जाता है। जो सैलानी मनाली, अटल टनल, मकलोडगंज, डलहौजी, शिमला, कुफरी, कसौली या अन्य स्थानों पर पहुंचने से पहले ट्रैफिक जाम में हलाल होते हैं, वे यहां से तौबा करके ही लौटते हैं।

होना तो यह चाहिए कि प्रमुख पर्यटक स्थलों से दस किलोमीटर पहले पर्यटक वाहनों को पार्क करने की बड़ी परियोजनाएं बनाकर आगे की यात्रा को सार्वजनिक परिवहन या रज्जु मार्गों से चलाया जाए। साइट सीईंग की तयशुदा दरों पर सर्किट आधार पर पर्यटक वाहन चलाए जाएं। मसला टैक्सियों की अनावश्यक वृद्धि से हल नहीं होगा, बल्कि इन्हें पर्यटन व परिवहन का पार्टनर बनाकर हल होगा। इसी परिप्रेक्ष्य में टैक्सी स्टैंड का उचित प्रबंधन तथा निजी बसों के ठहराव के अलग से पर्यटक बस स्टैंड बनाए जाएं। कमोबेश हर शहर के नजदीक या दो-तीन शहरों को मिलाकर ट्रांसपोर्ट नगर बसाने चाहिएं जहां बड़ी गाडि ?ों व ट्रकों की पार्किंग सुनिश्चित की जाए। हिमाचल के प्रशासनिक शहरों में दफ्तरों की खाली भूमि पर आवास बनाने की छूट ने यातायात पर दबाव बढ़ाए हैं और भूमि की उपलब्धता को पार्किंग सुविधा से छीन लिया है। ऐसे में दो-तीन शहरों के बीचों-बीच कर्मचारी नगर बसाकर वहां से ऑफिस स्पेशल बसों के जरिए मुख्य शहरों का दबाव कम होगा। शिमला और सोलन के बीच कर्मचारी नगर बसता है, तो इससे निजी वाहनों के स्थान पर सार्वजनिक परिवहन मजबूत होगा या वहां से ट्रांसपोर्ट का नेटवर्क रज्जु मार्ग से जुड़ सकता है। इसी तरह धर्मशाला-पालमपुर, मंडी-सुंदरनगर और हमीरपुर-बिलासपुर के बीच कर्मचारी नगर बसाकर यातायात व अन्य दबाव कम किए जा सकते हैं। हिमाचल में बढ़ती सामाजिक, सामुदायिक, व्यापारिक, खेल, सांस्कृतिक व धार्मिक गतिविधियों को देखते हुए हर शहर की परिधि में कम से कम चार सामुदायिक मैदान तथा हर गांव में एक-एक मैदान विकसित करने के लिए वन भूमि की जेब ढीली करनी पड़ेगा। पार्किंग के लिए धार्मिक, पर्यटक व शहरी क्षेत्रों को अपने लैंड बैंक की स्थापना तथा निर्माण में बैंक तथा अन्य वित्तीय संस्थाओं के साथ समझौता करना होगा। हर शहर में बैंक स्क्वेर, नए बाजार, सार्वजनिक गतिविधि केंद्रों के निर्माण में ऐसी संस्थाएं निवेश करें तो उनके कार्यालय के अलावा एक या दो मंजिलों पर पार्किंग सुविधा बढ़ जाएगी।

भारत से रिश्ते सुधारना चीन की मजबूरी

व्यापार
अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ पत्रकार

रूस में ब्रिक्स समिट से ठीक पहले भारत-चीन के बीच ईस्टर्न लद्दाख में एलएसी पर गश्त पर बनी सहमति दोनों देशों के लिए हितकारी है। दोनों देशों ने इस पर सहमति जताई है कि देपसांग और डेमचोक क्षेत्र में जहां गश्त ब्लॉक है वहां सैनिक पीछे हटेंगे और गश्त फिर से शुरू होगी। अर्थात दोनों देशों की सेनाएं अब अपनी पुरानी स्थिति पर लौट आएंगी, जैसा कि 2020 से पहले थी। याद होगा 2020 में गलवान में हुई झड़प के बाद से ही दोनों देशों के बीच रिश्ते तल्ख और असहज हुए थे। तब गलवान घाटी में चीनी सैनिकों द्वारा भारतीय जवानों पर हमला दोनों देशों के रिश्ते को दुश्मनी और नफरत में बदल दिया था। इस हमले में भारत के 20 जवान शहीद हुए थे वहीं चीन को भी अपने 43 जवानों की जिंदगी से हाथ धोना पड़ा था। इस हालात के लिए पूर्ण रूप से चीन ही जिम्मेदार था। गलवान की घटना के बाद से ही देपसांग और डेमचोक क्षेत्र में दोनों देशों ने एक-दूसरे की पेट्रोलिंग को बंद कर रखा था। अब सहमति के बाद गश्त की प्रक्रिया बहाल होने की राह खुल गई है। गौरतलब है कि गलवान की झड़प के बाद देपसांग में जिन स्थानों पर भारतीय सैनिक पैट्रोलिंग के लिए जाते थे उनमें से कई स्थानों पर चीनी सैनिकों ने रुकावटें पैदा कर दी थी। नतीजतन भारतीय सैनिकों को भी अपना कड़ा रुख अपनाना पड़ा। भारतीय सैनिकों ने उन स्थानों पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली जहां चीनी सैनिक पेट्रोलिंग के लिए जाते थे। लिहाजा चीनी सैनिकों की भी पेट्रोलिंग थम गई।

कई क्षेत्रों में तनाव बरकरार

उल्लेखनीय है कि ईस्टर्न लद्दाख के पैंगोंग क्षेत्र, गलवान के पीपी-14, गोगरा और हॉटस्प्रिंग क्षेत्र में अभी भी तनाव बरकरार है। नतीजतन यह क्षेत्र अभी भी बफर जोन बना हुआ है। फिलहाल यहां दोनों देशों के सैनिक पेट्रोलिंग नहीं कर रहे हैं। चीन सामरिक रूप से अहम पैंगोंग त्सो झील के निकट एक और नए पुल का निर्माण करने जा रहा है। उसकी मंशा इस पुल के जरिए अपने सामरिक हथियारों को आसानी से भारतीय सीमा तक पहुंचाना है। इसका खुलासा सैटेलाइट से ली गई तस्वीरों से हो चुका है। चीन की यह साजिश भारत के लिए चिंता का शबब इसलिए है कि यह नया पुल वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी से महज 20 किलोमीटर दूर है। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत ने अपनी चिंता चीन से जरूर जताई होगी। चूंकि अब जब दोनों देशों के बीच रिश्तों में जमी बर्फ पिघल रही है तो उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्द ही इस क्षेत्र में भी शांति बहाल होगी और दोनों देशों के सैनिक पैट्रोलिंग कर सकेंगे। अभी अगस्त में ही दोनों देशों के वार्ताकारों ने लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल अर्थात एलएसी के मसले पर चर्चा की थी।

अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान

गौर करें तो सीमा विवाद से दोनों देशों के बीच न सिर्फ तनाव की स्थिति उपजती है बल्कि अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान पहुंचता है। गलवान की घटना के बाद तो चीन को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा था। याद होगा वर्ष

2021 में देश के करोड़ों खुदरा और थोक व्यापारियों ने चीन से आयातित माल का बहिष्कार करने का ऐलान कर दिया था। इस अभियान के तहत व्यापारियों की योजना वर्ष 2021 के अंत तक चीन से आयात बिल एक लाख करोड़ रुपये से घटाना था जिसमें काफी सफलता भी मिली। तब देश के व्यापारियों ने करीब 3000 ऐसी वस्तुओं की सूची बनायी थी जिनका बड़ा हिस्सा चीन से आयात किया जाता था। तब भारत सरकार ने भी चीन से आयातित वस्तुओं पर शुल्क बढ़ाना शुरू कर दिया था। तब भारत द्वारा नए एफडीआई नियमों में परिवर्तन से चीन बौखला गया था। आज की तारीख में भी दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने से सर्वाधिक नुकसान चीन को ही उठाना पड़ता है। वैसे भी उसके घटिया प्रोडक्ट की पोल खुलती जा रही है। यह सच्चाई है कि चीन मैन्युफैक्चरिंग में घटिया कच्चे माल का इस्तेमाल कर उसे भारत में उतार रहा है। इस कारण उसके उत्पादों की मांग अब तेजी से घटनी शुरू हो गयी है। ऊपर से सीमा पर उसका आक्रामक रवैया कोढ़ में खाज का काम कर रहा है। चीन को अच्छी तरह पता है कि भारत से रिश्ते बिगड़ने पर सबसे अधिक उसके हितों को ही नुकसान पहुंच रहा है। उसके लिए चिंता की बात यह भी है कि गुणवत्ता और भरोसे की कसौटी पर उसके उत्पाद खरा नहीं उतर रहे हैं। दुनियाभर में उसके उत्पादों की विश्वसनीयता अब शक के दायरे में है। दुनिया समझने लगी है कि चीन संसाधनों की सीमित उपलब्धता के कारण मैन्युफैक्चरिंग में घटिया कच्चे माल का इस्तेमाल कर रहा है और न्यूनतम मजदूरी के बूते अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपना घटिया व सस्ता माल उतार रहा है। उसके इस खेल से उसके उत्पादों की मांग तेजी से घटने लगी है। जबकि दूसरी ओर भारतीय उत्पाद अपनी उच्च गुणवत्ता के कारण दुनियाभर में लोकप्रिय हो रहे हैं। इसे लेकर चीन भारत से जलभुन रहा है। याद होगा गत वर्ष पहले यूरोपीय संघ और दुनिया के 49 बड़े देशों को लेकर जारी 'मेड इन कंट्री इंडेक्स' (एमआइसीआइ-2017) में उत्पादों की गुणवत्ता के मामले में चीन भारत से सात पायदान नीचे रहा। चीन भले ही अपनी इंजीनियरिंग कारीगरी से अपने उत्पादों को दुनिया के बाजारों में पाटकर फूला न समा रहा हो पर वह दिन दूर नहीं जब उसकी हालत 19वीं सदी के समापन के दौर की उस जर्मनी जैसी होगी जो अपने गुणवत्ताहीन उत्पादों के लिए दुनियाभर में बदनाम हुआ। दुनिया के अन्य देशों में भी चीन के घटिया उत्पादों पर प्रतिबंध लगना शुरू हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार विशेष रूप से अमेरिका, यूरोप में चीन के उत्पादों की बिक्री में तेजी से कमी आई है। स्वयं चीन के कारोबारियों का भी कहना है कि प्रतिस्पर्द्धा की वजह से पिछले पांच साल में उत्पादों की कीमत में करीब 90 प्रतिशत तक कटौती कर चुके हैं। उनकी मानें तो पिछले तीन सालों में मजदूरी दोगूना बढ़ने और गुणवत्ता पर ध्यान देने से चीन में बने सामान भी सस्ते नहीं रह जाएंगे। अगर चीन उत्पादों की गुणवत्ता पर ध्यान देता है तो स्वाभाविक रूप से उत्पादों की कीमत में वृद्धि होगी और कीमत बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उनकी मांग प्रभावित होगी।

भारत में चीन का व्यापार बढ़ा

विगत दो दशकों में चीन का भारत में व्यापार कई गुना बढ़ा है। वर्ष 1984 में दोनों देशों द्वारा 'सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र' यानी एमएफएन पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद भारत की अपेक्षा चीन कई गुना ज्यादा फायदे में रहा है। वर्ष 2000 में भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2.9 अरब डॉलर था जो आज 2023-24 में बढ़कर 119 अरब डॉलर के पार पहुंच चुका है। इसमें चीन से आयात भारत के निर्यात से ज्यादा है। इस आंकड़े को देखें तो चीन फायदे में है। अगर आज चीन भारत से रिश्ते सुधारने के लिए आगे बढ़ा है तो उसमें भी उसी का फायदा है।

ब्रिक्स सम्मेलन से पहले चीन ने हठधर्मिता छोड़ते हुए भारत के साथ पूर्वी लद्दाख में डेपसांग व डेमचौक में सैन्य गश्त को लेकर समझौता किया। इन पोस्टों पर भारत व चीन के सैनिक गलवान की घटना के पहले की स्थिति के मुताबिक पैट्रोलिंग (गश्त) कर सकेंगे। हालांकि गलवान सहित ऐसे कई पोस्ट हैं जहां दोनों मुल्क के सैनिक आमने-सामने हैं। समझौते में इन पोस्टों का जिक्र नहीं है। माना जा रहा है कि चीन ने ब्रिक्स सम्मेलन की सफलता के लिए भारत के साथ सैन्य समझौते को आगे बढ़ाया, दूसरी वजह भी है कि भारत के ट्रेड संबंध को और मजबूत करने के लिए चीन ने कूटनीतिक रुख अपनाया है। बड़ा सवाल है कि भारत इसे किस रूप में देखे, क्योंकि सीमा पर तनाव कम करने के लिए गलवान की घटना के बाद से करीब 24 छोटी-बड़ी बैठकें भारत व चीन के बीच हो चुकी थी, फिर भी चीन हठ पर कायम था। ब्रिक्स सम्मेलन से ठीक पहले चीन का गश्त समझौते के लिए मानना उसकी ट्रेड कूटनीति की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। वर्ष 2017 में डोकलाम में भी ब्रिक्स सम्मेलन से पहले चीन पीछे हट गया था। गश्त समझौते पर भारतीय दृष्टिकोण का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

बिगड़ते-बनते भारत-चीन संबंध

कूटनीति
प्रभात कुमार राय
विदेश मामलों के जानकार

15 और 16 जून सन् 2020 की रात्रि को पूर्वी लद्दाख के गलवान क्षेत्र में भारतीय सेना और चीनी लाल सेना के मध्य एक गंभीर रक्तरंजित झड़प अंजाम दी गई थी। इससे सैन्य झड़प के तत्पश्चात इस संपूर्ण इलाके में सैन्य तनाव व्याप्त हो गया था और सैन्य गश्त खत्म कर दी गई थी। रक्तरंजित गलवान कांड के पश्चात भारत और चीन के मध्य विमान उड़ानों को प्रतिबंधित कर दिया गया था। गलवान कांड के बाद भारत और चीन के मध्य सैन्य स्तर पर एवं कूटनीतिक स्तर पर परस्पर वार्ताओं के पचास से अधिक दौर निरंतर जारी रहे। भारत और चीन के मध्य जारी शासकीय वार्ताओं का परिणाम तकरीबन चार वर्ष बाद सामने आ गया है।

रूस के नगर कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन आरंभ होने से पहले भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री द्वारा 21 अक्टूबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत के विदेश सचिव ने फरमाया कि पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में भारत और चीन के मध्य स्थित वास्तविक नियंत्रण रेखा अर्थात एलएसी पर सैन्य गश्त के पैटर्न को लेकर भारत और चीन की सरकारें एक समझौते को अंजाम देने के कगार पर हैं। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी बयान दिया कि भारत और चीन की पूर्वी लद्दाख के सरहदी इलाके में सैन्य गश्त का पैटर्न अप्रैल सन् 2020 की स्थिति के मुताबिक बाकायदा प्रारंभ हो जाएगा।

उल्लेखनीय है कि 15 और 16 जून सन् 2020 की रात्रि को पूर्वी लद्दाख के गलवान क्षेत्र में भारतीय सेना और चीनी लाल सेना के मध्य एक गंभीर रक्तरंजित झड़प अंजाम दी गई थी। इससे सैन्य झड़प के तत्पश्चात इस संपूर्ण इलाके में सैन्य तनाव व्याप्त हो गया था और सैन्य गश्त खत्म कर दी गई थी। रक्तरंजित गलवान कांड के पश्चात भारत और चीन के मध्य विमान उड़ानों को प्रतिबंधित कर दिया गया था। दोनों देशों के मध्य बड़े व्यापारिक संबंध होने के बावजूद विगत चार वर्षों से कोई सीधी विमान उड़ान नहीं हुई। गलवान कांड के बाद भारत और चीन के मध्य सैन्य स्तर पर एवं कूटनीतिक स्तर पर परस्पर वार्ताओं के पचास से अधिक दौर निरंतर जारी रहे। भारत और चीन के मध्य जारी शासकीय वार्ताओं का परिणाम तकरीबन चार वर्ष बाद सामने आ गया है।

द्विपक्षीय समझौते का खैरमकदम

इस घटनाक्रम के बाद कजान के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत और चीन ने एक कदम और आगे बढ़ाया, जबकि 5 वर्षों के दीर्घ अंतराल के पश्चात भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने द्विपक्षीय मुलाकात की और भारत-चीन के मध्य संपन्न हुए द्विपक्षीय समझौते का खैरमकदम किया। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि भारत और चीन के मध्य दहकती सुलगती हुई सरहद पर अब संभवतः सैन्य तनाव में शैथिल्य आ ही जाएगा। भारत और चीन के मध्य वर्ष 1962 के भीषण युद्ध के कारण बिगड़े हुए संबंधों को गहराई से समझने वाले विशेषज्ञों का विचार है कि भारत और चीन के मध्य बिगड़े हुए संबंधों को सुधारने में अभी बहुत अधिक वक्त लगेगा। भारतीय सेना के कमांडर इन चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी का कहना एकदम उचित है कि चीन पर भरोसा करने में अभी वक्त लगेगा। दरअसल चीन की विस्तारवादी फ़ितरत को मद्देनजर रखते हुए चीन की वास्तविक नीयत पर गहन गंभीर सवाल उठाए जाते रहे हैं। भारत और चीन की सरकारों द्वारा जारी कूटनीतिक बयानों से ऐसा प्रतीत तो होने लगा है कि दोनों देशों के बिगड़े हुए रिश्तों पर जमी हुई विकट बर्फ के

पिघल जाने की संभावनाएं तो अवश्य ही बढ़ गई हैं। भारत और चीन के मध्य स्थित 3844 किलोमीटर लंबी सरहद पर उत्पन्न हुए संगीन विवाद पर दोनों देशों का नजरिया तकरीबन अलग-अलग रहा है। विगत दिनों में जिस मामले को लेकर भारत और चीन के मध्य जो सहमति बनी है वह एकदम पृथक चरित्र की है। पूर्वी लद्दाख के साथ ही साथ गलवान, गोगरा, पैंगोंग झील के नॉर्थ ब्लॉक और कैलाश रेंज के बफर जोन्स में 16 जून सन् 2020 से पहले की सैन्य स्थिति बरकरार की जानी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान में कहा गया कि भारत और चीन बहुध्रुवीय एशिया और बहुध्रुवीय विश्व का निर्माण करने में अपना-अपना योगदान करेंगे।

विवाद सुलझाने का रास्ता खुलेगा

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने भी कहा कि उनका विचार है कि दोनों देशों को इन महान उद्देश्यों की पूर्ति के लिए मिलजुल कर एक साथ काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग की कूटनीतिक मुलाकात को वस्तुतः भारत और चीन के मध्य बिगड़े हुए संबंधों को सामान्य पर लाने की दिशा में पहला अहम कदम क़रार दिया जाना चाहिए। सिर्फ इस कूटनीतिक मुलाकात से भारत और चीन के मध्य सभी परस्पर विवादों के सुलझाए जाने की उम्मीद करना एकदम बेमानी होगी। भारत और चीन के मध्य स्थित सरहद पर सैन्य तनाव में शैथिल्य आ जाने से परस्पर जटिल विवादों को सुलझाने का रास्ता संभवतः खुल सकेगा। चीन के विरुद्ध अनेक भू राजनीतिक चुनौतियां प्रस्तुत रही हैं। अमेरिका और जापान के विरुद्ध चीन का निरंतर बढ़ता हुआ सैन्य तनाव और चीन के खराब होते हुए घरेलू आर्थिक हालात ने भारत के साथ उसको सामान्य रिश्ते स्थापित करने की दिशा में सोचने और विचारने के लिए बाध्य किया है। चीन ने अत्यंत गहनता के साथ विचार किया है कि उस पर वैश्विक दबाव निरंतर बढ़ रहा है। भारत के साथ सरहद पर सैन्य गतिरोध उत्पन्न करने से उसे कोई लाभ भी नहीं हुआ है। रूस-यूक्रेन युद्ध में चीन स्पष्ट रूप से नाटो सैन्य संगठन के विरुद्ध रूस के साथ सन्नद तौर पर खड़ा हुआ है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौर में चीन वस्तुतः रूस को आधुनिकतम हथियार प्रदान करने वाला सबसे बड़ा सप्लायर देश है। भारत के साथ सदैव रूस के मित्रतापूर्ण ऐतिहासिक संबंध रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौर में नाटो द्वारा रूस के विरुद्ध आयाद किए गए तमाम आर्थिक प्रतिबंधों को भारत ने स्वीकार करने से स्पष्ट इन्कार किया है। यहां तक कि रूस से तेल खरीदने वाले देशों में भारत अग्रणी देश रहा है।

चीन के कुटिल विस्तारवाद का विरोध

रूस के राष्ट्रपति पुतिन की स्पष्ट कूटनीति है कि भारत को अपने साथ तभी तक रखा जा सकता है, जबकि चीन के साथ भारत के शत्रुतापूर्ण अंतरविरोधों को कूटनीतिक रूप से सुलझा लिया जाए। अन्यथा चीन के विरुद्ध खड़ा हुआ भारत वस्तुतः पश्चिमी के नाटो राष्ट्रों की तरफ झुक जाने पर विवश हो जाएगा। एशिया में चीन के कुटिल विस्तारवाद के विरुद्ध ही भारत ने क्वाड संगठन में शामिल होने का निर्णय लिया था। क्वाड में भारत के साथ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान मुख्य तौर पर शामिल देश हैं। उल्लेखनीय है कि भूटान के डोकलाम क्षेत्र में उत्पन्न विवाद को सुलझाने में राष्ट्रपति पुतिन ने अहम किरदार निभाया था। एक सैन्य संधि के तहत भूटान की हिफाजत करने की जिम्मेदारी भारत की रही है। डोकलाम में अनेक महीनों तक भारतीय और चीनी सेनाएं आमने-सामने डटी रही थी। बाद में कूटनीतिक वार्ता द्वारा डोकलाम विवाद को सुलझाया जा सका।

लद्दाख में ऑक्साई चिन पर चीन का आधिपत्य

उल्लेखनीय है सन् 1962 का युद्ध वस्तुतः लद्दाख इलाके में स्थित ऑक्साई चिन पर चीन के आधिपत्य को लेकर प्रारंभ हुआ था, जबकि ऑक्साई चिन के रास्ते पश्चिम में 179 किलोमीटर लंबी सड़क चीन द्वारा निर्मित की गई थी। लद्दाख के ऑक्साई चिन इलाके में दोनों देशों के सैनिकों के मध्य पहली भिड़ंत 25 अगस्त 1959 को घटित हुई थी। चीन के सैन्य दल द्वारा नेफा फ्रंटियर पर लोंग्जू में भी आक्रमण किया गया। 21 अक्टूबर, 1962 को चीन द्वारा लद्दाख कोंगका में जबरदस्त गोलाबारी अंजाम दी गई। इसके पश्चात चीन और भारत के मध्य भीषण युद्ध शुरू हो गया, जोकि तकरीबन 15 दिन तक जारी रहा। अरुणाचल (नेफा) के ऊपर, चीन अपने स्वामित्व का दावा पेश करता रहा है। 35000 स्क्वायर किलोमीटर क्षेत्रफल वाले ऑक्साई चिन पर चीन ने अपना सैन्य कब्जा जमाया हुआ है। सन् 1954 में तिब्बत पर अवैध आधिपत्य स्थापित करने से प्रारंभ हुई चीन की विस्तारवादी फितरत, वस्तुतः आज तक बदस्तूर जारी है। दक्षिण चीन सागर के अनेक द्वीपों पर चीन ने अपना अवैध आधिपत्य स्थापित कर लिया है। इस अवैध आधिपत्य के विरुद्ध इंटरनेशनल कोर्ट आफ जस्टिस का निर्णय भी आ चुका है, किंतु चीन ने इस निर्णय को भी स्वीकार करने से इनकार किया है।

भारत को चीन से रहना होगा सतर्क

वर्ष 1949 में स्थापित हुए साम्यवादी चीन की विकट विस्तारवादी फितरत को मद्देनजर रखते हुए भारत को बहुत ही सतर्क रह कर चीन के साथ कूटनीतिक कदम बढ़ाने होंगे। हिंदी-चीनी भाई-भाई के गगनभेदी नारों के साथ प्रारंभ हुई भारत और चीन की गहन मित्रता में आखिरकार खूंरेज रक्तरंजित शत्रुता का जहर किसने घोल दिया था? यक्ष प्रश्न है कि अत्यंत प्राचीन संस्कृति और सभ्यताओं वाले दोनों राष्ट्र एक-दूसरे के प्रबल शत्रु क्यों बन गए? क्या आने वाले भविष्य में ये दोनों राष्ट्र फिर से गहन मित्र बन जाएंगे? केवल भारत के साथ ही नहीं वरन एशिया के 18 राष्ट्रों के साथ चीन का सरहद पर विवाद है। जिस रूस के साथ चीन आजकल अपनी गहरी मित्रता का प्रदर्शन कर रहा है, उसी रूस के साथ सन् 1968 में ब्लाडिवोस्टक क्षेत्र को लेकर एक भीषण सैन्य युद्ध चीन द्वारा अंजाम दिया गया था। रूस के ब्लाडिवोस्टक पर चीन अपने स्वामित्व का दावा पेश करता रहा है। चीन के राजशाही काल के पुराने नक्शों का आधार लेकर साम्यवादी चीन भविष्य का अपना संसार रचना चाहता है। सामंती काल की विस्तारवादी फितरत का शिकार होकर चीन द्वारा जापान सहित अपने प्रायः सभी पड़ोसी मुल्कों के साथ अपनी शत्रुता ठान ली गई है। चीन की हुकूमत साम्यवाद के नाम पर जब तक अपनी सामंतवादी और विस्तारवादी के चरित्र का परित्याग नहीं कर देगी तब तक भारत ही नहीं किसी भी पड़ोसी मुल्क के साथ उसके रिश्ते कदापि दोस्ताना नहीं बन सकते हैं। चीन के साथ फूंक फूंक कर कदम बढ़ाने होंगे।

तम पर प्रकाश के विजय का पर्व, दीपोत्सव के रूप में हम सदियों से मनाते आ रहे हैं। पौराणिक मान्यताओं और धार्मिक आस्थाओं से संबद्ध इस पर्व को मनाने के स्वरूप में समय के साथ अवश्य बहुत परिवर्तन हुए हैं। लेकिन इस पर्व की मूल भावना और उद्देश्य, अंतस-बाह्य जगत में सत्य, शांति, प्रेम और आनंद का प्रसार, आज भी कायम है। यही इस पर्व की प्रासंगिकता है।

मन-जीवन के आंगन में जगमग दीप जले हैं

आवरण कथा

डॉ. ओम निश्चल

जब-जब दीपावली का पर्व आता है, श्रीराम की अयोध्या वापसी का दृश्य स्मृति में जीवंत हो उठता है और मुझे अपना एक गीत याद हो आता है-

दीप घर-घर जले हैं अवध में पिया,
आज लौटे अयोध्या में रघुवर-सिया।

ऐसा इसलिए भी कि दीपावली त्योहार का संबंध इसी से है। वैसे दीपावली सबके लिए अलग-अलग अर्थ भी रखती है। सुख-दुख के नाना झंझटों में घिरा हुआ मन भी तीज-त्योहार पर खुशियां मना लेता है। दशहरा विजय पर्व है तो दीपावली दीप पर्व... प्रकाशपर्व। विजया दशमी के साथ ही जैसे दीपावली का उल्लास सिर पर चढ़ने लगता है। शरद की रातें सुहावनी होने लगती हैं। लिहाजा मन में उल्लास और तन में स्फूर्ति दुगनी हो उठती है। कार्तिक मास की अमावस्या को मनाई जाने वाली दीपावली यों तो भारत का प्रमुख त्योहार है किंतु जहां-जहां हिंदू समुदाय और भारत के लोग हैं, वे इस त्योहार को भारतीय रीति के अनुसार बढ़-चढ़कर मनाते हैं।

जीवन-संस्कृति में व्याप्त हैं राम

कहते हैं, विजया दशमी के दिन श्रीराम ने रावण पर विजय पाई थी। इस विजय को एक रूपक के रूप में हम बुराई पर विजय के रूप में लेते हैं। वैसे रामकथा पूरे विश्व में व्याप्त है। थोड़े-थोड़े अंतर से यह कथा ना केवल आज विश्वव्यापी जनसंस्कृति का हिस्सा बन गई है वरन साहित्य में भी रामकथा का व्यापक प्रभाव देखा जाता है। श्रीराम, रावण का वध कर अयोध्या लौटे हैं तो उत्सव क्यों ना मने! जब हमारी पूरी संस्कृति ही राममय है, लोक में, संस्कार में, गीतों में, आख्यानों में राम ही राम समाए हुए हैं। सोहर, विवाहगीत, ज्योनार, परछन, शादी-ब्याह, पुत्र जन्म आदि कौन-सा अवसर ऐसा है कि जो राम के उल्लेख के बिना पूरा होता है। वे हमारी जीवन-संस्कृति में इस कदर समाए हैं कि गोपियां, उद्धव को विदा करते हुए श्रीकृष्ण को राम-राम कहना नहीं भूलतीं यानी नमस्कार करना, रामजोहार करना। इसलिए कि राम-राम केवल राम का नाम-स्मरण ही नहीं, धीरे-धीरे लोक में वह नमस्कार का एक पर्याय भी बनता गया। गोपियां कहती हैं, 'नाम को बताई और जताइ ग्राम ऊधो बस/स्याम सों हमारी रामराम कहि दीजियो।'

शास्त्रीय-पौराणिक मान्यताएं

दीपावली का संबंध मुख्यतः श्रीराम की अयोध्या वापसी से है। अयोध्यावासियों ने श्रीराम, सीता और लक्ष्मण के बनवासोपरांत अयोध्या वापसी पर सब जगह मिट्टी के दीए जलाकर उत्सव मनाया था। यही उत्सव कालांतर में दीपावली कहलाने लगा। अयोध्यावासियों ने इस प्रसन्नता की अभिव्यक्ति के लिए घी के दीपक जलाकर श्रीराम का स्वागत किया था। इसीलिए इस दिन यानी कार्तिक की अमावस्या तिथि को दीपोत्सव के रूप में मनाया जाने लगा। कहा जाता है कि दीपावली के दिन देवी लक्ष्मी पृथ्वी पर विराजती हैं, इसलिए लक्ष्मी के स्वागत में भी दीप जलाने का विधान है। इसलिए यह पर्व श्रीराम के स्वागत के निमित्त ही नहीं बल्कि धन-धान्य की देवी लक्ष्मी के पूजन का त्योहार भी बन गया है। पौराणिक कथानुसार, समुद्र मंथन में निकले 14 रत्नों में से एक देवी लक्ष्मी भी थीं, इसलिए कार्तिक की अमावस्या को उनके प्रकटीकरण पर उनके स्वागत एवं पूजन की परंपरा विकसित हुई। इस तरह दीपावली सदियों से मनाई जा रही है। पद्मपुराण और स्कंद पुराण में भी इसका उल्लेख मिलता है। पुराणों के अनुसार दीपावली के दीप, सूर्य देवता के प्रतीक हैं।

एक अन्य अर्थ में इसे प्रकाशपर्व माना जाता है, क्योंकि दीप जलाना, भौतिक रूप से उजाला तो करना ही है किंतु दीप जलाने का गूढ़ प्रतीकात्मक अर्थ भीतरी अंधकार और अज्ञान से मुक्ति भी है। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय।' या 'अप्प दीपोभव' इसी आंतरिक उजाले का पर्याय है।

पंचपर्वों की श्रंखला

दीपावली का यह प्रकाश पर्व पूरे पांच दिन के उत्सवी रंगों में डूबा रहता है। धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज। धनतेरस से आरंभ हुआ यह सिलसिला भाई दूज तक ही नहीं, देव दीपावली तक चलता है, जब कार्तिक की पूर्णिमा को समस्त देवता काशी के घाट पर गंगा किनारे मिलकर दीपावली मनाते हैं। इसीलिए दीपावली महापर्व के रूप में मनाया जाता है।

बदल गया है दीपावली का स्वरूप

यह जन-जन के मन का उल्लास है कि श्रीराम के अयोध्या शुभागमन का यह पावन पर्व अब जन-जन की इच्छा का भी पर्व बन गया है। यह उपहारों के लेन-देन का अवसर भी बन गया है। पर्वों पर मिठाइयां, नमकीन, छप्पन भोग परोसने वाले अपने भारत देश में कोई भी त्योहार बिना पकवान के नहीं मनाया जाता, जिसमें सब शामिल होते हैं। उत्सवता का बोल-बाला बढ़ गया है। बाजार झालरों से सजे हैं। मोमबत्तियों का दौर है यह, नकली बिजली की झालरों का भी युग है। बेचारे कुम्हारों को कौन पूछता है। गांव में चारागाह और तालाब पट गए। कहां से दीप बनाने की मिट्टी मिले। फिर भी कुम्हार साल भर इसी त्योहार की बाट जोहते हैं कि यह पर्व आए और उनके दीप और मिट्टी के बर्तनों की बिक्री हो। पर अब शुभ के लिए थोड़े दीए भले जला लिए जाएं पर बाकी जगहों पर मोमबत्तियां ही जलाई जाती हैं। झालरों ने घरों की सजावट को अधुनातन रूप दिया है।

दूर करें मन का अंधियारा

दीपावली हर साल आती है। हर साल हम दीप जलाकर पसरे अंधकार को भगाने का यत्न करते हैं। लेकिन अंधेरा है कि दूर होने का नाम नहीं लेता। ध्यान से देखें तो विज्ञान का उजाला तो हमने बहुत कर लिया पर अज्ञान, अधर्म, पाखंड, अंधविश्वास के अंधेरे को हम अभी भी नहीं मिटा सके। वह अंधेरा अभी भी हमारे आस-पास व्याप्त है। जहां वेद, पुराणों, उपनिषदों, महाभारत और रामायण जैसे आदि ग्रंथो में ज्ञान का प्रवाह लहराता मिलता हो, उस भारत में अभी भी बड़ी आबादी अल्पशिक्षित है, वंचित है।

आइए! दीपावली के इस महाप्रकाश पर्व में भीतर-बाहर सभी जगह से अंधकार और अज्ञान को मिटाने के लिए हम सब आगे आएं और लक्ष्मी को ऊंचा आसन देते, उनकी अर्चना करते हुए मन ही मन सरस्वती का सम्मान करना ना भूलें, जिससे वास्तव में समाज में व्याप्त जड़ता और अज्ञान पर प्रहार हो। हमारा समाज, हमारी संस्कृति और सभ्यता वास्तविक उजाले में रोशन हो सके और वैर, द्वेष, कटुता के बजाय प्रेम की रोशनी धरा पर फैल जाए-

चलो कि टूटे हुओं को जोड़ें, जमाने से रूठे हुओं को मोड़ें
अंधेरे में इक दिया तो बालें, हम आंधियों का गुरूर तोड़ें
धरा पे लिख दें हवा से कह दें, है महंगी नफरत औ' प्यार सस्ता। *

(लेखक हिंदी के कवि, आलोचक और भाषाविद हैं)

मन की सफाई करने के बाद श्रीलक्ष्मी का करें आह्वान

हम सभी मानते हैं, दीपावली पर श्रीलक्ष्मी के आह्वान-पूजन के लिए स्वच्छता एवं पवित्रता आवश्यक है। इसलिए महीनों पहले से घरों की साफ-सफाई शुरू हो जाती है। सवाल है, क्या केवल बाह्य स्वच्छता से ही श्रीलक्ष्मी प्रसन्न होती हैं?

आत्मप्रेरणा

बीके शिवानी, प्रेरक वक्ता

दीपावली यानी साफ-सफाई, नवीन सजावट, दीप जलाने, उल्लास, खुशियां बांटने, तोहफे देने का पर्व। मिठाइयां खाने और खिलाने का सुअवसर। एक-दूसरे को बधाई, दुआएं देने का समय। पुरानी बातों, पुराने खातों को समाप्त कर, नए युग की शुरुआत का समय। इस दिन लोग दीप जलाकर अपने घरों, दुकानों और दफ्तरों को रोशन करते हैं। हम सभी का विश्वास है कि श्रीलक्ष्मी अंधकार में नहीं आतीं। अब प्रश्न है कि क्या घर-दफ्तर के कोनों को साफ करने, अंधियारा मिटाने से ही श्रीलक्ष्मी की कृपा बरसती है या बाह्य के साथ आंतरिक सफाई अर्थात मन की सफाई भी महत्वपूर्ण है?

समझें अंधकार का वास्तविक अर्थः असल में हम अंधकार के आध्यात्मिक रहस्य से अनभिज्ञ हैं। अंधकार से अभिप्राय रात्रि का अंधकार नहीं, बल्कि यह शब्द अज्ञानता का वाचक है। कहने का भाव यह है कि जब तक घर-घर में लोगों का आत्मा रूपी दीप नहीं जलता है, उनकी बुद्धि में ज्ञान रूपी प्रकाश नहीं फैलता, मन का विकार और मैल नहीं समाप्त होता, तब तक श्रीलक्ष्मी पधार नहीं सकती हैं। व्यक्ति हो, वस्तु, स्थान या वायुमंडल, सबको शुद्धता ही प्रिय लगती है। ऐसे में जब हम सभी मानसिक शुद्धता पर ध्यान देते हैं, तो स्वयं को और सर्व को प्रिय लगते हैं।

इसलिए मन होता है मैलाः देखा जाए तो हम रोज ही सफाई करते हैं। फिर वो घर की सफाई हो या शरीर की। हालांकि दिवाली की सफाई का स्तर कुछ और होता है। बाकी दिन जहां ऊपर-ऊपर से सफाई की जाती है, वहीं इस त्योहार पर कोने-कोने को साफ करते हैं। लेकिन ये भूल जाते हैं कि मन की गहरी सफाई भी उतनी ही आवश्यक है, क्योंकि वर्षों में हम बहुत-सी बातों-घटनाओं को मन में पकड़ कर रखे होते हैं। वे एक गांठ का रूप ले लेती हैं, भूलती नहीं। रिश्ते निभाने के लिए बेशक हम लोगों के साथ बहुत प्यार से बातें करते हैं, उनसे अच्छा व्यवहार करते हैं। लेकिन असल में हमें लोगों के संस्कार, उनका काम करने का तरीका, जीने का अंदाज पसंद नहीं आता।

मुख से कुछ गलत शब्द निकलने पर फौरन क्षमा मांग लेते हैं कि कहना नहीं चाहते थे, पर गलती से निकल गया। जबकि सच यह है कि कोई बात मुख से तभी निकलती है, जब वह मन में हो। हमारे शब्द एवं व्यवहार तो सही होते हैं, लेकिन हम सोचते कुछ और हैं और बोलते कुछ और हैं। इससे मन मैला होता जाता है। उसमें धूल जमती जाती है।

जाग्रत करें मन की पवित्रता-दिव्यताः जब तक मन की अच्छी तरह सफाई नहीं होगी, श्रीलक्ष्मी का हम आह्वान नहीं कर पाएंगे। श्रीलक्ष्मी का आह्वान मतलब अपने अंदर, मन की पवित्रता एवं दिव्यता को जाग्रत करना। अगर वहां मैल होगी, तो दिव्यता कैसे आएगी? पुरानी बातों, संस्कारों को पकड़ कर रखने से पवित्रता नहीं आ सकती। इसलिए मन के कोने-कोने की जांच करें। कहीं कोई जाला लगा हुआ हो, किसी कोने में मैल हो, तो उन्हें साफ करें। बचपन की कोई बात, 20 साल पुरानी घटना जब किसी ने कुछ कहा या कुछ किया था, उसे मन से हटाएं। पुराने हर दाग को मिटाएं। क्योंकि आत्मा पर लगा हर दाग हमारे वर्तमान को प्रभावित करता है। इतना ही नहीं, जब आत्मा शरीर छोड़ती है, तो हमारे सभी दाग उसके साथ जाते हैं। ऐसे में सच्ची दिवाली मनाने के लिए हमें आत्मा (मन) के हर दाग को मिटाना होगा।

जलाएं आत्मा की ज्योतिः दिवाली पर सिर्फ बाह्य शुद्धता एवं दीप जलाने की बजाय अपनी आत्मा की ज्योति भी जगाएं अर्थात मानसिक शुद्धता पर ध्यान दें। अगले कुछ दिन रोज सुबह स्वयं से बात करें कि हे मन, क्या विचार कर रहे हो? मन कहेगा अमुक चीज मेरे साथ ही क्यों हुई? उसने मेरा अपमान क्यों किया? मैं इतनी बड़ी गलती कैसे कर सकता हूं? खुद से ऐसी नकारात्मक बातें करना बंद करें। इससे आत्मा कमजोर होती है। मन को सकारात्मक विचार दें। मेडिटेशन में जब हम परमात्मा को याद करते हुए उन्हें अपने मन में जमी धूल के बारे में बताते हैं, तो हल्केपन का अनुभव होता है। मन साफ हो जाता है। संकल्प शुद्ध हो जाते हैं, फिर क्यों ना पुराने कर्मों एवं संस्कारों का लेखा-जोखा समाप्त करके दिवाली पर शुभ कर्म करने की दृढ़ प्रतिज्ञा करें। सही मायने में दिवाली मनाएं। *

प्रस्तुतिः अंशु सिंह

दोहे

प्रो. शरद नारायण खरे

दीपों का संदेश

दीपों का संदेश है, अहंकार की हार।
नीति, सत्य अरु धर्म से, पलता है उजियार।।
उजियारे की वंदना, दीपों का संदेश
कितना भी सामर्थ्य पर, रहे मनुज का वेश।।
मद में भरना ना कभी, करना ना अभिमान।
दीपक करने आ गया, आज तिमिर-अवसान।।
दीपों के संग है सजा, विजयभाव-आवेश।
विनत भाव से जो रहे, पाए नहीं कलेश।।
पूजा में दीपक जले, जलकर रचता धर्म।
समझ-बूझ लें आप सब, यही पर्व का मर्म।।
कहे दीप की श्रंखला, सम्मानित हर नार।
नारी के सम्मान से, ही जग में उजियार।।
उजियारा सबने किया, हुई राम की जीत।
आओ हम गरिमा रखें, बनें सत्य के मीत।।
अहंकार ना पोसना, वरना तय अवसान।
उजियारे की भावना, लाती है उत्थान।।
दीपों ने मंगल चुना, फैलाया आलोक।
इसीलिए जग से हटा, प्रियवर सारा शोक।।

* { लघुकथाएं } *

उसकी दिवाली

सुखिया कुम्हारिन अपने बनाए माटी के दीयों के संग बैठी बाजार में चिल्ला रही थी, 'दस रुपए के दस दीये ले लो...।'

दिवाली की रौनक पूरे बाजार में दिखाई दे रही थी। बिजली की झालरों की दुकानों में सबसे ज्यादा भीड़ थी। दोपहर हो चली थी। सुखिया का अभी तक एक भी माटी का दीया नहीं बिका था।

वह उदास-सी बैठी सोच रही थी कि इस बार उसके माटी के दीये अच्छे बिक जाएंगे तो वह अपने पोते-पोतियों के लिए नए कपड़े और मिठाई खरीदेगी। बहू के लिए नई साड़ी लेगी।

जब से उसके घर बहू आई है, कभी नई साड़ी उसे नसीब नहीं हुई है। तीज-त्योहार के मौके पर हमेशा अपने मायके से आई साड़ी पहनती है। तभी सुखिया की सोच का क्रम टूटा। कोई महिला पूछ रही थी, 'कितने के दोगी ये मिट्टी के दीये?'

सुखिया ने बताया, 'दस रुपए के दस दीये। ले लो मैडम जी, बहुत सस्ते हैं।'

'अरे, सस्ते कहां हैं? तुम लोगों ने तो लूट मचा रखी है। मिट्टी के दीये कितने महंगे कर रखे हैं?' महिला मुंह बनाकर बोली।

'क्या बताएं मैडम जी, इसे बनाने में हमें बहुत मेहनत करनी पड़ती है, इसे भी तो देखो।' सुखिया दीनता से बोली।

उस महिला ने दस रुपए के दीये ले लिए। सुखिया को संतोष हुआ कि चलो बोहनी तो हुई।

तभी एक और महिला आई। उसने भी दीयों का भाव पूछा। भाव सुनकर बोली, 'हुंह.. इस जमाने में अब कौन माटी के दीयों को खरीदता है। आजकल तो एक से बढ़कर एक बिजली के दीये बाजार में मिल जाते हैं। फिर इन दीयों को जलाने का तेल भी तो बहुत महंगा हो गया है। मुझे तो दो रुपए के दीये दे दो, शगुन के लिए जला लूंगी।' महिला ने दो रुपए के दो दीये लिए और चली गई।

सुखिया फिर उदास हो गई। उसे लगा कि इस साल की दिवाली भी उसकी पिछले साल की तरह सूखी ही बीत जाएगी। उसने सोचा था कि इस दिवाली वह खीर, पूड़ी बच्चों के लिए जरूर बनाएगी, लेकिन यह नसीब में नहीं है। तभी उसकी दुकान पर एक युवती आई। वह बोली, 'अम्मा जी, मैं यहीं पास की दुकान में खड़ी कब से आपको देख रही हूं। आप काफी उदास-निराश लग रही हैं?'

'क्या बताऊं बिटिया, आज का पूरा दिन कुछ खास कमाई नहीं हुई है। अब माटी के दीये का कोई मोल नहीं रह गया है। पहले जमाने के लोग माटी के दीयों को पवित्र मानते थे। यही दीये भगवान के पास और देहरी पर जलाते थे, लेकिन अब तो इसे खरीदने ही कोई नहीं आता। मेरी सारी मेहनत धरी की धरी रह जाएगी। हमारी दिवाली भी नहीं मनेगी।'

'नहीं अम्मा जी, आप निराश ना हों। मुझे ये सारे दीये दे दीजिए। ये सारे मिट्टी के दीये मैं अपने पड़ोसियों, रिश्तेदारों और दोस्तों को गिफ्ट में दे दूंगी ताकि वे लोग इस मिट्टी के दीयों से अपने घरों में रोशनी करके शुद्ध पर्यावरण का संदेश दें। कितने के हैं ये सारे दीये?'

सुखिया संकोच भरे स्वर में बोली, 'आपको जो उचित लगे दे दो बिटिया, हमारी भी दिवाली मन जाए बस।'

युवती ने उन माटी के दीयों की कीमत पूरे तीन हजार रुपए चुका दिए। सुखिया के लिए यह दिवाली का बहुत बड़ा उपहार था। *

-डॉ. शैल चंद्रा

श्रीपूजा

कार्तिक की अमावस्या! घना श्यामल आकाश, धरती पर अंधकार दूर करते असंख्य दीपक! वैभव और रोशनी से दिपदिपाती धरती।

अपनी सूनी आंखों से सामने विद्युत दीप मल्लिकाओं से सजी अट्टालिका को निहारते हुए उसने स्वयं पर एक दृष्टि डाली। चीथड़ों में लिपटी दुबली-पतली देह, भूख से अकुलाता पेट, यूं लावारिस सा बचपन, न मां, न बाप, फुटपाथ ने ही उसे आश्रय दिया। न जाने क्यों उसके पांव वहीं जम से गए। भवन के अंदर से खिलखिलाहटों संग आती व्यंजनों की सुगंध वह दोनों हाथों से भूखे पेट की अकुलन को बांधने की असफल कोशिश करने लगा। अमावस्या का सघन अंधकार उसकी आंखों में समा गया। पायल की रुनझुन... गृह-लक्ष्मी! हाथों में टिमटिमाते दीपकों का थाल। आंगन को दीपकों से सजाते एक दीपक को रंगोली पर रखते हुए गृहस्वामिनी का ध्यान उसकी ओर गया।

'कौन है वहां?' आवाज में कुछ कठोरता के साथ गृह-लक्ष्मी ने उसको देखते हुए कहा। 'मां!' जानें कैसे उसके कंठ से निकला। 'मां!' अपरिचित कंठ से यह शब्द सुन उदारहृदयी गृहस्वामिनी की क्षुधित ममता तड़प उठी।

'बेटा! आओ भीतर आ जाओ। मैं प्रसाद लाती हूं। बैठो यहां।'

वह आशंकित मन से यहां-वहां देखने लगा।

फिर तभी...पायल की वही मीठी रुनझुन संग व्यंजनों की खुशबू उसके अंदर उतर गई।

गृह-लक्ष्मी व्यंजनों से सजी-थाली उसके सामने रख प्यार से बोली, 'बेटा! अच्छे से खाना, मां का प्रसाद है।'

उसने हाथ जोड़ मां को देखा साक्षात-मां लक्ष्मी।

गृह-लक्ष्मी की आंखों में भी अपार स्नेह के साथ अपूर्व तृप्ति झलक रही थी। 'न जाने किस भेस में नारायण मिल जाएं...।' दूर गूंजते भजन का स्वर वातावरण में रच-बस गया। *

-डॉ. यशोधरा भटनागर

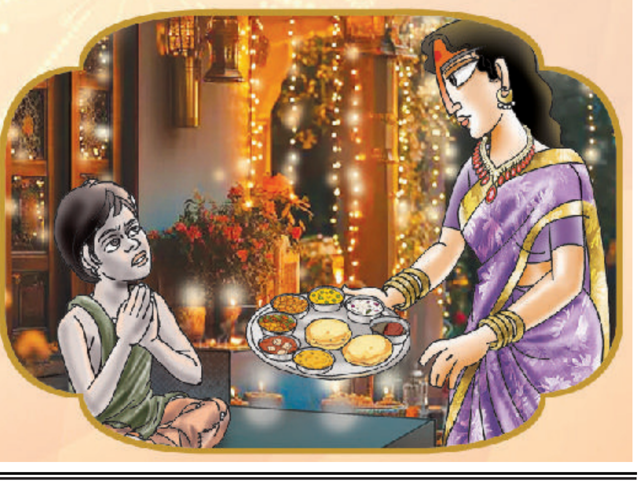

धान खरीदी शासन की प्राथमिकता, लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त-कलेक्टर

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। कलेक्टर विलास भोसकर की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में धान खरीदी की तैयारी के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी का कार्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस कार्य में किसी तरह की लापरवाही ना हो, इसका कड़ाई से ध्यान रखा जाए। धान खरीदी कार्य में संलग्न सभी अधिकारी और कर्मचारी ईमानदारी से अपने दायित्वों को निभाएं जिससे किसानों को किसी तरह की समस्या का सामना ना करना पड़े। 14 नवंबर से धान खरीदी शुरू होगी, जो 31 जनवरी 2025 तक की जाएगी। किसानों को धान विक्रय में किसी तरह की परेशानी ना हो, उनके साथ संवेदनशील रवैया रखें। कोचियों और बिचौलियों पर अपनी पैनी नजर रखें। उड ?दस्ता दल लगातार निरीक्षण करेंगे। जीरो शॉर्टेज हमारा लक्ष्य है। आगामी ढाई माह इसी दिशा में कार्य किया जाना है। लापरवाही करने वालों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में खाद्य अधिकारी चित्रकांत ध्रुव, डीएमओ अरुण विश्वकर्मा, डीएम नान जेपी तिर्की, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक से प्रकाश गुप्ता सहित समस्त खाद्य निरीक्षक, समिति प्रबंधक और उपार्जन केंद्रों के कंप्यूटर ऑपरेटर उपस्थित रहे।

धनतेरस पर्व को लेकर शहर में बाजार गुलजार, बारिश ने बढ़ाई चिंता

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। मंगलवार को धनतेरस से पांच दिनों तक चलने वाले दीपोत्सव की शुरूआत होगी। पर्व को लेकर शहर में जेवर, बर्तन, इलेक्ट्रानिक, दोपहिया और चारपहिया वाहनों, रंगोली, सजावट के सामानों के साथ ही अन्य दुकानें सज गई हैं। इस दिन सोना-चांदी के सिक्के, आभूषण और बर्तन, सहित अन्य सामानों की लोग अधिकतर खरीदी करते हैं। सोना-चांदी के साथ ही पीतल की वस्तुओं और झाड़ू खरीदना इस दिन शुभ माना जाता है। शहर में दिए, खील, बताशा की दुकानें भी सजी हुई हैं। कुल मिलाकर धनतेरस पर्व पर धन वर्षा के लिए बाजार पूरी तरह से तैयार हो गया है। हालांकि रविवार को हुई बारिश के कारण दीपावली से पहले फुटपाथ में दुकान लगाने वालों के तैयारियों की र तार थम गई थी। सोमवार को बादलों की लुकाछिपी के बीच मौसम साफ रहने से दुकानदार राहत महसूस कर रहे थे, इधर देर शाम हुई बारिश के बाद फिर दुकानदारों की मायूसी बढ़ गई। फुटपाथ में लगने वाली अधिकांश दुकानों में लोग सजाए गए सामानों को सुरक्षित करते नजर आने लगे। एक दशक पूर्व तक त्यौहारों की रंगत देखते ही बनती थी परंतु अब आम लोगों की जीवनशैली में काफी बदलाव आ गया है। व्यस्तता ने त्यौहारों के रंग को फीका कर दिया है। त्यौहार की औपचारिकता मात्र लोग पूरी करते नजर आते हैं।

न्यायालय तहसीलदार भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
राजस्व प्रकरण क्र.. ब/-121/2024

ईश्तहार

आवेदक का नाम विनोद कुमार ठाकर आ० भैयालाल ठाकुर जाति नाई निवासी ग्राम...गंगौटी प०ह०नं० 07 तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छ०ग० ने अपने पुत्र हिमांशु ठाकुर जन्म दिनांक. 14.10.11 का जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतू आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रांरभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 7.11.2024 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दांवा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 24/10/024को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग)

स्वयंसेवकों ने हाट-बाजार गांधीनगर में स्वच्छता अभियान चलाया

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरस्वती महाविद्यालय सुभाषनगर के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सोमवार को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बीपी तिवारी के निर्देशन एवं कार्यक्रम अधिकारी धर्मेंद्र श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में हाट-बाजार गांधीनगर में स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने लोगों को आसपास बाजार, कार्यालय तथा सडकों की साफ-सफाई हेतु प्रेरित किया। नारा एवं रैली के माध्यम से प्रेरित करते हुए जन समुदाय को स्वच्छता की जानकारी दी और होने वाले लाभ के विषय में बताया। सर्वप्रथम महाविद्यालय में स्वयंसेवकों ने स्वच्छता संबंधी जानकारी एवं प्रेरित गीत के माध्यम से कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जिसमें वरिष्ठ प्राध्यापक ऋषि सिंह द्वारा स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत चल रहे कार्यों की सराहना की।

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी
पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-202410030900324 बी/-121/2023-24 ग्राम पत्थलगांव तहसील पत्थलगांव

ईश्तहार

एत्तद् द्वारा आम जनता नगर पंचायत पत्थलगांव को सूचित किया जाता है कि आवेदक गुरुशरण सिंह भाटिया पिता सुरजीत सिंह भाटिया जाति सिक्ख, निवासी ग्राम पत्थलगांव, तहसील पत्थलगाव, जिला जशपुर (छ०ग०) द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक के स्वयं का जन्म ग्राम पत्थलगांव के मोहल्ला रायगढ़ रोड वार्ड क्रमांक 11 में दिनांक 20/05/1976 को हुआ है। जिसका नाम नगर पंचायत पत्थलगाव के जन्म पंजी में दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ-पत्र अनुपलब्धता प्रमाण-पत्र चालान एवं आधार कार्ड संलग्न है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो तो वह स्वय अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज दिनांक 12.11.2024 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि पश्चातप्राप्त दावा था आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 23.10.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
पत्थलगांव

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0-...अ/6/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदिका श्रीमती अनिता मिश्रा पत्नि श्री शरण मिश्रा, निवासी डी.सी. रोड़, अम्बिकापुर के द्वारा अनावेदकगण श्रीमती किरण त्रिपाठी, श्रीमती मीरा त्रिपाठी, ओम त्रिपाठी के पति /पिता अशोक त्रिपाठी के स्वत्व एवं अधिपत्य की नजूल भूमि मोहल्ला-डी.सी. रोड़ नगर अम्बिकापुर स्थित खसरा नं. 1308/11 में से रकबा 220 वर्गफीट (1/2 डिसमिल) भूमि को पंजीबद्व विक्रय पत्र, पंजीयन दिनांक 14.02.2002 के माध्यम से क्रयशुदा उक्त भूमि के अभिलेख में अपना नाम दर्ज कराने हेतु विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110, छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 11/11/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 08/10/2024 को मेरे न्यायालीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांक : 202410020700234/

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः-2024-2025
नमना कला प.ह.न. 00020 [157/272(0.0160हे0)] पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार- अनुज कुमार विश्वास, अनावेदक पक्षकार - आशित बरण,

ईश्तहार

आवेदक अनुज कुमार विश्वास आ० आशित वरण विश्वास निवासी ग्राम केदमा तहसील उदयपुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 157/272 रकबा 0.016 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो से मृत खातेदार आशित बरन का नान विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 18.11.2024 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 24/10/2024 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील - अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग.)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष ग्राम जमड़ी प.ह.न.12

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक वाशु दुबे पिता सत्यप्रकाश दुबे जाति ब्राह्मण निवासी जमड़ी प.ह.न 12 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छडगड) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक अपने स्वयं के जन्म दिनांक 07/07/2003 को ग्राम जमड़ी में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने स्वयं का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत जमड़ी को आदेशित करने आवेदन पेश किया जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 05/11/2024 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 28/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मंदी शुदा से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
भैयाथान
जिला सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग.)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष ग्राम जमड़ी प.ह.न.12

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सत्यप्रकाश दुबे पिता विरभद्र दुबे जाति ब्राह्मण निवासी जमड़ी प.ह.न 12 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छडगड) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक अपने पुत्र सूजल दुबे का जन्म दिनांक 01/08/2007 को ग्राम जमड़ी में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र सूजल दुबे का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत जमड़ी को आदेशित करने आवेदन पेश किया जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 05/11/2024 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 28/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मंदी शुदा से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
भैयाथान
जिला सूरजपुर (छ.ग०)

न्यायलय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)

-ईश्तहार :-

रा०प्र०क्र० /अ-2/2023-24

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत दनौलीखुर्द को सूचित किया जाता है कि श्री राम जयपाल सिंह प्रकाश इंडस्ट्रीज लि० पिता श्री वैरागी सिंह निवासी केंवरा के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नं० 348/2, 351, 353, 354/1,350/2,352/2 रकबा 0.06, 0.06, 0.18, 0.07,0.12, 0.33, हे0 जो ग्राम दनौलीखुर्द प.ह.नं. 3 रा०नि०मं० भैयाथान जिला सूरजपुर में स्थित है के व्यवसायिक भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत दनौलीखुर्द के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 05/11/204 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 22/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलय की मुद्रा से जारी किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग०)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष ग्राम जमड़ी प.ह.न.12

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शालीनी दुबे पिता सत्यप्रकाश जाति ब्राह्मण निवासी जमड़ी प.ह.न 12 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छडगड) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक स्वयं के जन्म दिनांक 18/02/2005 को ग्राम जमड़ी में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक स्वयं के जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत जमड़ी को आदेशित करने आवेदन पेश किया जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 05/11/2024 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 28/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मंदी शुदा से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
भैयाथान
जिला सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0............/अ-2/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राकेश साहू, मिथलेश साहू आ0 रामदेव साहू जाति तेली निवासी मणीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम मणीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 खसरा नंबर 405/1 रकबा 0.045 हे0 भूमि को कृषि भिन्न व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, त्रण पुस्तिका की प्रति सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 11/11/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू- अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 28/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा)
अम्बिकापुर

धनतेरस एवं दीपावली पर्व पर जाममुक्त शहर के लिए तीन दिवसीय ट्रैफिक एडवायजरी जारी

शहर में 08 पार्किंग स्थल का निर्धारण, यातायात पुलिस का अमला रहेगा सडकों पर मौजूद

फोटो

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 29 अक्टूबर को धनतेरस एवं 31 अक्टूबर को दीपावली त्यौहार के अवसर पर खरीदारी हेतु शहर में होने वाली भीड़ को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सरगुजा योगेश पटेल ने ट्रैफिक एडवायजरी जारी किया है। जाममुक्त यातायात व्यवस्था एवं सुरक्षा की दृष्टि से पार्किंग स्थल का निर्धारण किया गया है। आपातकालीन सेवा संबंधी वाहन को अंबिकापुर शहर प्रवेश और बाहर जाने के लिए छूट रहेगी।

इसी क्रम में देव होटल से महामाया चैक, अग्रसेन चौक से थाना चौक, ब्र ह मंदिर मोड़ से संगम चौक, थाना चौक से महामाया चौक व गुदरी चौक से संगम चौक की ओर चार पहिया, तीन पहिया वाहन प्रतिबंधित रहेगा। वहीं गांधी चौक से घड़ी चौक की ओर आने वाली वाहनों का पार्किंग कलाकेन्द्र मैदान व सरस्वती शिशु मंदिर के बगल में रोड के दोनों तरफ पार्किंग रहेगी। ब्र ह मंदिर तिराहा की ओर से आने वाले सभी वाहन सत्तीपारा मार्ग से कलाकेन्द्र मैदान में, टू-व्हीलर वाहन के लिए निशांत मेडिकल के बगल में, अग्रसेन चौक व नया बस स्टैण्ड से पूनम लॉज चौक की ओर आने वाली गाड़ी पुराना बस स्टैण्ड व अलखनन्दा टाकिज ग्राउण्ड में, गुदरी चौक से गुरूनानक चौक की ओर आने वाली गाड़ी कोतवाली थाना के सामने रोड में दोनों ओर, रामानुजगंज से आने वाली गाड़ी पुलिस लाइन ग्राउंड (पेट्रोल प प के बगल में) व मल्टीपरपज स्कूल ग्राउंड में, अग्रसेन चौक से सदर रोड की ओर आने वाली वाहन बरेज तलाब के बगल में, सद्भावना चौक से आने वाली गाडियों के लिए सुदामा होटल के बगल रोड में दोनों साइड पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 ..../अ-6/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पूनम चंद तायल आ0 कृष्ण कुमार तायल, निवासी बनारस रोड़ अम्बिकापुर ने इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि आवेदक के द्वारा अनावेदकगण गौतम आ0 स्व0 रामेश्वर, ताराबाई पत्नि सोबिन्द अन्य वगैरह के संयुक्त स्वामित्व की मोहल्ला भट्ठापारा शीट नं. 11, स्थित खसरा नं. 4507 रकबा 0.08 एकड़ भूमि को पंजीबद्व विक्रय पत्र, पंजीयन दिनांक 09.01.2020 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः आवेदक द्वारा उक्त वसीयत पत्र के आधार पर उक्त क्रयशुदा भूमि के अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109,110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 18/11/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/10/2024 को मेरे न्यायालीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 ..../अ-6/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनिल अग्रवाल आ0 स्व0 बनारसी दास अग्रवाल, निवासी चर्च रोड़ केदारपुर अम्बिकापुर के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक द्वारा अनावेदकगण गौतम आ0 स्व0 रामेश्वर, ताराबाई पत्नि स्व0 सोबिन्द वगैरह के स्वत्व एवं अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि शीट नं. 11, महोल्ला- भट्ठापारा, खसरा नं. 4507 रकबा 0.08 एकड़ भूमि को पंजीबद्व विक्रय पत्र, पंजीयन दिनांक 08.10.2024 के माध्यम से क्रय किया गया है, अतः उक्त पंजीबद्व विक्रय पत्र के आधार पर आवेदिका द्वारा क्रयशुदा उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में अपना नाम दर्ज कराने हेतु विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109,110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 18/11/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/10/2024 को मेरे न्यायालीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)
रा.प्र.क्र...../ब-121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका गीता श्रीवास्तव पति संतोष श्रीवास्तव जाति कायस्थ निवासी कबीरवार्ड दरीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम मणीपुर स्थित खसरा नंबर 210/11 रकबा 0.020 हे0 भूमि को अनावेदक इन्दु कुशवाहा पुत्री रामचरण कुशवाहा निवासी सीतापुर हटरी बाजार तहसील सीतापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपय 5,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 20.11.2024 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिशाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः-22/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

पारंपरिक वैद्यों को स्वास्थ्य संबंधित विषयों पर जागरूक किया गया

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। पारंपरिक बैद्य अपने समुदाय में प्राकृतिक तरीके से उपचार करते हैं। वे स्थानीय जड़ी-बूटियों, पेड़, पौधे, मिट्टी और प्राकृतिक तत्वों का ज्ञान रखते हैं और उनका उपयोग विभिन्न रोगों के इलाज के लिए करते हैं। पीरामल फाउंडेशन सरगुजा इन बैद्यों के पीढि ?ों से चले आ रहे परंपरागत पद्यतियों से इलाज को बढ़ावा देने और इन्हें आगे लाने का प्रयास कर रहा है। पीरामल फाउंडेशन ने इन्हें टीबी रोग के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान करते हुए बीमारी के लक्षण, रोकथाम और उपचार के बारे में जानकारी दिया। फाउंडेशन के राज्य प्रबंधक फैसल रजा खान, राज्य समन्वयक दिग्विजय सिंह और जिला क्षय अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन व सहयोग से जिले में कार्यरत विभिन्न समाजसेवी संस्था, पारंपरिक बैद्य व शिक्षा विभाग के साथ पीरामल की

बीएमएस के संघर्ष का परिणाम है ठेका मजदूरों का बोनस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। माईनिंग एक्टिवीटी अंतर्गत काम करने वाले कामगारों को 8.33 प्रतिशत बोनस के रूप में दिए जाने कोल इंडिया ने जो घोषणा की है वह बीएमएस के लगातार संघर्ष का परिणाम है। दीपावली के पूर्व कोल इंडिया के ठेका मजदूरों को बोनस भुगतान करना सुनिश्चित हुआ है। बीएमएसकेजे बीसीसीआई सदस्य सुधीर घुरडे ने बताया कि कोल उद्योग अंतर्गत कार्य करने वाले सभी कामगारों को बोनस दिए जाने की मांग बीएमएस ने बैठक में जोरदार तरीके से रखी थी, जिसके बाद कोयला उत्पादन में कार्यरत ठेका मजदुर को बोनस दिए जाने की स्वीकृती प्रदान की गई। संघ के पिछले 2 वर्षो से लगातार आंदोलन करने के बाद यह सफलता मिली है। जेबीसीसीआई सदस्य सुधीर घुरडे ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि भारतीय मजदूर संघ श्रमिकों के हित में लगातार कार्य कर रहा है।

नवपदस्थ कलेक्टर एस.जयवर्धन ने संभाली जिले की कमान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के नवपदस्थ कलेक्टर एस.जयवर्धन ने सोमवार को जिले की कमान संभाल ली है।। पदभार ग्रहण करने के तत्काल बाद कलेक्टर एस.जयवर्धन द्वारा संयुक्त जिला कार्यालय में लगने वाले विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। जिसके तहत न्यायालय कलेक्टर, वरिष्ठ लिपिक शाखा, भू-अभिलेख शाखा, शिक्षा, खाद्य, महिला एवं बाल विकास व जनसंपर्क कार्यालय इत्यादि कार्यालयों का उन्होंने निरीक्षण किया। शासन के नवीनतम स्थानांतरण आदेश के तहत कलेक्टर श्री जयवर्धन का स्थानांतरण जिला मोहला मानपुर-अम्बागढ़ चौकी से सूरजपुर में हुआ है।

दोहरे हत्याकांड के आरोपी व उसके परिजनों के मकान व गोदान में चला प्रशासन का बुलडोजर

0 शहर के 4 जगहों पर डेढ एकड़ सरकारी भूमि के अतिक्रमण को किया गया जमीदोज

0 दलबल के साथ 8 जेसीबी व 1 पोकलेन मशीन लेकर पहुँची प्रशासन की टीम ने की कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। दोहरे हत्याकांड मामले में जिला प्रशासन ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी कुलदीप साहू व उसके परिजनों के नगर के अलग अलग जगहों पर करीब डेढ़ एकड़ सरकारी जमीन पर बने गोदाम व घर को जमीदोंज कर दिया है। इसके साथ ही चार अन्य लोगो के अतिक्रमण पर भी बुलडोजर की कार्रवाई की गई है। सोमवार तड़के करीब 5 बजे से प्रारंभ हुई बुलडोजर की यह कार्रवाई पूरे दिन चलती रही जिसका नजारा लेने लोगो का मजमा भी लगा रहा। 13 अक्टूबर को जिलाबदर बदमाश कुलदीप साहू ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिल कर पहले जहां एक आरक्षक घनश्याम सोनवानी पर गर्म तेल डाल दिया तो वहीं प्रधान आरक्षक तालिब शेख की पत्नी व पुत्री की बेरहमी से हत्या कर दी थी। जिसकी जानकारी लगते ही समूचे शहर में रोष फैल गया और जमकर हंगमा हुआ। कई दिन तक शहर में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। कानून व्यवस्था कायम करने बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा था। लोग आरोपी के घर पर बुलडोजर की कार्रवाई के साथ आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग करते रहे है।इधर नगर पालिका ने आरोपी कुलदीप साहू, उसके चाचा संजय साहू के अवैध रूप से बने मकान गोदाम में नोटिस चस्पा कर गोदाम व मकान खाली करने को कहा था।अब तक मकान गोदाम खाली न होने पर सोमवार की सुबह सुबह राजस्व अमला पूरी तैयारी जिसमे 8 जेसीबी एक पोकलेन मशीन व पुलिस फोर्स के साथ पहले शहर के पुराना बस स्टैंड के पीछे स्थित कुलदीप के गोदाम पर पहुँचा जहाँ उसके गोदाम को गिराने की कार्रवाई की गई। यहाँ पर गोदाम के साथ मकान को गिराया गया। बताया गया है कि यहां करीब 25 डिसमिल जमीन पर अतिक्रमण किया गया था।गोदाम में अवैध कबाड़ रखे हुए थे। जिसे जप्त कर लिया गया है।इसके अतिरिक्त नगर के मानपुर व रिंगरोड पर अतिक्रमण कर बनाये गए गोदामो को भी जमीदोंज कर दिया गया है।पुराना बाजारपारा में तकरीबन 25 डिसमिल का अवैध बाउंड्री वॉल निर्माण किया गया है जहां कबाड़ रखने के लिए गोदाम भी बनाए गए हैं। इसी तरह मानपुर वार्ड क्रमांक 14 में 43 डिसमिल जमीन है जहां कई कमरे और चारदीवारी के साथ गोदाम तैयार किया गया है। यह सभी अवैध बताया गया है। तोड़फोड़ की यह कार्रवाई समोवार को समूचे दिन चलती रही।

चार अन्य अतिक्रमण पर भी की गई कार्रवाई

इस कारवाई के दौरान सर्किट हाउस के पास चार अन्य लोगो के अतिक्रमण पर भी बुलडोजर की कार्रवाई की गई है।जिसमे स्वास्थ्य विभाग का एक चर्चित कर्मचारी है जिसके द्वारा 15 डिसमिल सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया गया था।आज करीब दो एकड़ जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराया गया।

यहां भी होगी कार्रवाई

कब्रिस्तान मोहल्ले में भी कुलदीप साहू के परिजन द्वारा अतिक्रमण कर गोदाम व मकान बनाया गया है। जिस पर वन विभाग कार्रवाई करने की तैयारी में है। बताया गया है वन विभाग ने नोटिस तामिल कर दिया है।एक दो दिन के अंदर वन विभाग भी बुलडोजर लेकर पहुँचने को तैयार है।

ये अधिकारी कर्मचारी रहे सक्रिय

कार्रवाई के लिए सूरजपुर के एसडीएम जगन्नाथ वर्मा, रामानुजनगर एसडीएम अजय मोरियम, भैयाथान एसडीएम सागर सिंह के अलावा लटोरी, सूरजपुर, भैयाथान भटगांव और रामानुजनगर के तहसीलदारों के साथ 50 पटवारी 10 आरआई की ड्यूटी लगाई गई थी। इसके अलावा एडिशनल एसपी संतोष महतो भी पुलिस अमले के साथ अवैध कब्जा निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई के दौरान सक्रिय रहे।

विधायक भूलन ने रामानुजनगर हाई व हायर सेकेंडरी स्कूलों में किया गया साइकिल वितरित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के रामानुजनगर स्थूत हाई व हायर सेकेंडरी स्कूल में विधायक भूलन सिंह मरावी के द्वारा सरस्वती योजना के तहत साइकिल वितरण किया गया।

स्वागत उद्बोधन सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार साहू ने दिया। विधायक ने कहा कि बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने में हमारी सरकार संकल्पित है आप सभी जानते हैं कि 2004 में प्रदेश की सरकार ने छात्राओं को नियमित स्कूल आने एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के उद्देश्य से सरस्वती साइकिल योजना प्रारंभ की थी। तब से आज तक कक्षा नवमी पढ़ने वाले सभी पात्र छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण सरकार की ओर से किया जाता है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर में 120 साइकिल का वितरण किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में जयप्रकाश ने कहा कि बालिकाएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर स्वावलंबी होंगी तभी 2047 तक प्रधानमंत्री का विकसित भारत का सपना पूरा होगा। बीना गुप्ता ने छात्राओं को शुभकामना देते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने को कहा। इस अवसर पर सत्यनारायण दुबे, संत साहू, सुमंत साहू, विकास दुबे, संजीव गुप्ता, सरपंच राम सिंह, बीईओ पंडित भारद्वाज, बीपीओ रवि नाथ तिवारी, बीआरसीसी हजारी चक्रधारी, प्रधान पाठक श्याम लाल ठाकुर, सुल्तान खान शिक्षकों में हरेकृष्ण उपाध्याय, जेपी पाल, अभय साहू, विजया सिंह, ममता मिश्रा, आदि उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन प्राचार्य कामता प्रसाद प्रजापति ने किया।

वही उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गणेशपुर में पालकों के अपार जनसमूह और कर्मा दल के साथ भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में 102 छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया, हाई स्कूल अर्जुनपुर में भी 36 छात्रों को साइकिल, इसी तरह उत्तर माध्यमिक विद्यालय परशुरामपुर में भी 48 छात्राओं को साइकिल विधायक के द्वारा प्रदाय किया गया। संबंधित स्कूलों के प्राचार्य ने आवश्यक व्यवस्था कर कार्यक्रम को संपन्न कराया।

शुद्ध देशी घी की मिठाईयो के लिए बंसल स्वीट्स की प्रदेश में अलग पहचान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विगत 19 वर्षो से जिला सहित प्रदेश में शुद्ध देसी घी की मिठाइयों के लिए मशहूर जिले की एक मात्र प्रतिष्ठान बंसल स्वीट्स ने मिठाइयों की गुणवत्ता को लेकर अपनी एक अलग पहचान बनाए हुए है। यहां की मिठाइयां जिले के साथ साथ प्रदेश के कई शहरों के लोगो की पसंद बन गई है। बंसल स्वीट्स के संचालक दुर्गादासअग्रवाल बताते है कि धनतेरस दीपावली पर्व के लिए उनके इस प्रतिष्ठान में ग्राहकों की पसंद व अपनी पहचान के अनुरूप शुद्ध देशी घी की मिठाईयां बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही है। साथ ही आकर्षक गिफ्ट पैक मिठाइयों की भी व्यवस्था प्रतिष्ठान में हर बार की तरह इस बार भी की गई। श्री अग्रवाल ने बताया कि उनके यहां शुद्ध देसी घी से बनी मिठाइयां, स्पेशल ड्राईफ्रूट्स एवं नमकीन की भरपूर रेंज उपलब्ध है। महसूर मोतीचूर लड्डू, काजू कतली, मूंगदाल बर्फी, चंद्रकला, गोंदलड्डू, केक, बालूशाही सोनपापड़ी, कलाकंद, डोडा बर्फी, स्पेशल पिन्नी, काजू के विभिन्न मिठाईयां तथा स्वयं की डेयरी से उपलब्ध दुग्ध से बनी शुद्ध खोवे व छेना से बनी मिठाइयां ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। साथ ही स्वीट्स गिफ्ट पैक, तरह तरह की नमकीन की भरपूर रेंज, स्पेशल ड्रायफ्रूट्स गिफ्त पैक की विशाल रेंज फैंसी बॉक्स के साथ ग्राहकों की पसंद के अनुरूप उपलब्ध है।

महिलाएं सक्षम होंगी तो वह अपने घर परिवार और समाज को सक्षम बनाएगी : सांसद

दुर्ग, छ.ग. फ्रटंलाइन। सांसद विजय बघेल की मुख्य आतिथ्य में बीआईटी ऑडिटोरियम दुर्ग में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत आवास मेला सह लखपति दीदी महिला पहल सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चंद्राकर, विधायक अहिवारा डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष माया बेलचंदन, जनपद प्रतिनिधि जितेन्द्र साहू शामिल हुए। उन्होंने सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

समारोह में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के 16 हितग्राहियों को नवीन स्वीकृति आवास प्रमाण पत्र और 15 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी गई। इसी प्रकार स्व सहायता समूहों से जुड़ी 16 लखपति दीदीयों को सम्मानित किया गया। मेले में सामुदायिक निवेश निधि अंतर्गत 15, चक्रीय निधि अंतर्गत 15, बैंक लिंकेज अंतर्गत 14 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सांसद विजय बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सरकार बनते ही प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 18 लाख घरों के निर्माण की स्वीकृति दी गई। जनता के विश्वास के आधार पर सभी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है तथा जिला प्रशासन द्वारा योजनाओं का लाभ आप तक पहुंचाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच हैं कि हर गरीब का एक पक्का मकान हो। शासन महिलाओं के ऊपर विशेष ध्यान देते हुए उनके लिए बहुत सी योजनाएं संचालित कर रही है। यदि महिलाएं सक्षम होगी तो वह अपने घर परिवार और समाज को सक्षम बनाएंगी। महिलाओं को लखपति दीदी बनाना है यह हमारा प्रयास है। हमारी सरकार का पूरा प्रयास है कि कोई भी पात्र हितग्राही आवास योजना का लाभ लेने से वंचित न हो। आवास की चाबी भेंट कर सभी हितग्राहियों को बधाई दी। उन्होंने अवगत कराया कि आगामी 26 व 27 अक्टूबर को जिला पंचायत परिसर में 'बिहान मेला' का आयोजन किया जाएगा, जिससे स्व सहायता समूहों को अपने उत्पादों के विक्रय के लिए एक बाजार प्राप्त हो सकेगा।

विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चंद्राकर ने कहा कि केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति तक बैठे व्यक्ति तक पहुंच रहा है। महिलाओं के सम्मान के लिए स्वच्छता मिशन के तहत शौचालय का निर्माण कराया गया। महिलाओं के नाम से राशनकार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना इत्यादि प्रदान किया गया। महिलाओं को मजबूती प्रदान करने के लिए महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रूपए प्रदान किया जा रहा है। यह केन्द्र व राज्य सरकार की सोच के कारण संभव हुआ है। शासन की योजनाओं से महिलाएं सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। नारी शक्ति के जीवन के हर पड़ाव के लिए सुरक्षा कवच सुनिश्चित कर रही है। राज्य सरकार लगातार जनहित के कार्यो को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है।

विधायक अहिवारा डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना व परिकल्पना है कि हमारा देश विकसित और आत्मनिर्भर बने। हर गरीब चाहता है कि उनका पक्का मकान हो। इस सपने को साकार करने और योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। साथ ही उन्होंने लखपति दीदीयों को उनके प्रेरणादायी कामों के लिए बधाई दी।

जिले में कानून व्यवस्था की बेहतरी हेतु पुलिस प्रशासन के साथ करें समन्वय-जयवर्धन

0 धान उपार्जन हेतु तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश 0 कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा यहां संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक ली गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, संयुक्त कलेक्टर नरेंद्र पैकरा, डिप्टी कलेक्टर द्वय श्रीमती शिवानी जायसवाल एवं श्रीमती चांदनी कंवर, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

नवपदस्थ कलेक्टर श्री जयवर्धन ने 14 नवंबर से शुरू होने वाले धान उपार्जन की तैयारी को लेकर सभी अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। सभी खरीदी केंद्रों में आवश्यक सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने पंजीकृत किसानों की जानकारी लेते हुए रकबा सत्यापन की कार्यवाही सख्ती से करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने धान खरीदी को लेकर किसानों की समस्याओं का निराकरण करते हुए, उन्हें शासन द्वारा दी जा रही सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में सभी तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों से तहसील के संबंध में मूलभूत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विभिन्न तहसीलों में भूमि अधिग्रहण, सीमांकन, डायवर्सन, त्रुटि सुधार, बंदोबस्त, खसरा एवं नक्शा त्रुटि सुधार, अविवादित, विवादित नामांतरण, बंटवारा, भूमि आवंटन और अभिलेख दुरुस्तीकरण, भू-राजस्व वसूली, भू-अर्जन प्रकरणों का मुआवजा भुगतान आदि प्रकरणों की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने समस्त पटवारी एवं कोटवारों के साथ निरंतर बैठक करने के भी निर्देश दिए।

इसके अलावा उन्होंने तहसीलो में कानून व्यवस्था की जानकारी लेते हुए, जिले में कानून व्यवस्था बेहतर करते हुए शांति बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय करने के निर्देश दिए।

मा.वि. पतरपाली के बच्चों को किया गया टाई व बेल्ट वितरण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। निजी स्कूलों की तर्ज पर अब माध्यमिक शाला पतरापाली के सरकारी स्कूलों के बच्चे भी टाई और बेल्ट लगाकर स्कूल पढ़ने जाएंगे। स्कूल के शिक्षको ने आपस में पैसे जमाकर बच्चों के लिए टाई और बेल्ट खरीदकर बच्चों को वितरित किया। विकासखण्ड रामानुजनगर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय पतरापाली में छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए टाई और बेल्ट का वितरण किया गया। स्कूल के शिक्षक योगेश साहू ने बताया कि उनके यहां 85 विद्यार्थी हैं। स्टाफ से कलेक्शन करके विद्यार्थियों के लिए प्राइवेट स्कूलों की तर्ज पर टाई व बेल्ट उपलब्ध कराई गई है। बेल्ट पर स्कूल का नाम, डाइस कोड सहित समग्र शिक्षा का मोनो बना हुआ है। इस बेल्ट, टाई को स्कूल ड्रेस के साथ छात्र छात्रायें उमंग के साथ पहनकर स्कूल आएंगे। इससे वह खुद को प्राइवेट स्कूल के छात्रों से कम नहीं समझेंगे और उनमें आत्मविश्वास आएगा। इस मौके पर प्रधान पाठक बी आर हितकर, संकुल समन्वयक जीडी सिंह, महेंद्र पटेल, कृष्ण कुमार यादव, अनीता सिंह, योगेश साहू, रघुनाथ जयसवाल, सरिता सिंह सहित छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

कोरिया फ्रंटलाइन

धूमधाम से मनाया गया प्रकाश का पर्व दीपावली

छ.ग. फ्रंटलाइन मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। मनेंद्रगढ़ में सीबीएसई के मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित विद्यालय दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में एकता, सद्भावना एवं प्रकाश का पर्व दीपावली धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विशेष प्रातः सभा द्वारा की गई जो कि कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों द्वारा संचालित की गई थी, इस विशेष सभा में कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने दीपावली की महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की तत्पश्चात् संस्था के प्राचार्य डॉ बसंत कुमार तिवारी ने विशेष सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दीपावली का पर्व न केवल आपसी प्रेम, सद्भावना एवम् भाईचारे को प्रदर्शित करता है अपितु हमें यह भी सिखाता है कि किस प्रकार हमें जीवन में संयम तथा उदारता का परिचय देते हुए एकजुटता बनाए रखना चाहिए, दीपावली का हर दीया सकारात्मकता का प्रतीक है जो कि जीवन के हर क्षण को प्रकाश और ऊर्जा से भर देता है, डॉक्टर तिवारी ने विद्यालय को शुभकामना संदेश प्रेषित

करते हुए कहा कि हमें यह त्यौहार मनाने के लिए पर्यावरण अनुकूल तरीकों का प्रयोग करते हुए जागरूकता का परिचय देना चाहिए जिन में पारंपरिक प्रथाओं से आगे बढ़कर हानिकारक पर्यावरणीय प्रभावों को कम करना, बिजली की खपत को कम करते हुए पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों जैसे मिट्टी के दीए का प्रयोग, आतिशबाजी जो कम प्रदूषण और शोर पैदा करें तथा प्राकृतिक और बायोडिग्रेडेबल सामग्री का प्रयोग शामिल है करते हुए पर्यावरण संरक्षण के साथ अधिक सामंजस्य पूर्ण तरीकों को बढ़ाना है तथा पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखकर दीपावली मनाना चाहिए। इसी क्रम में कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के चारों सदनो के विद्यार्थी प्रतिभागी थे इस प्रतियोगिता में कक्षा पहली से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने रंगोली बनाई, प्री -प्राइमरी के छात्र -छात्राओं ने भी अपने शिक्षिकाओं की उपस्थिति में रंगोली बनाई एवम् छोटे पटाखे जलाए, सम्पूर्ण कार्यक्रम के मध्य में सभी विद्यार्थियों ने कक्षावार समूह भोज का भी आनंद लिया कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की निदेशिका श्रीमति पूनम सिंह ने सभी विद्यार्थियों को शुभ, सुरक्षित एवम् पर्यावरण अनुकूल दीवाली की शुभकामनाएं प्रेषित की।

दीपावली के लिए जिले में सुरक्षा सहित आवश्यक व्यवस्था के लिए दी गई जिम्मेदारी

दीपावली पर्व सुरक्षित और सुखद मनाने हेतु जिला प्रशासन प्रतिबद्ध

छ.ग. फ्रंटलाइन कोरिया। दीपावली के त्योहार के मद्देनजर जिले में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। जिला प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी करते हुए फायर ब्रिगेड, चिकित्सा व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति और सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए संबंधित विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं।

पटाखा विक्रय स्थलों पर फायर ब्रिगेड की तैनाती अनिवार्य

आगजनी जैसी दुर्घटनाओं से बचने के लिए सभी स्थायी और अस्थायी पटाखा दुकानों के पास फायर ब्रिगेड तैनात करने का निर्देश दिया गया है। जिला सेनानी को इसका जिम्मा सौंपा गया है, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके।

चिकित्सा सुविधा 24 घंटे उपलब्ध

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 24 घंटे चिकित्सकीय स्टाफ उपलब्ध रहें। दीपावली के दौरान आकस्मिक चिकित्सा सेवाओं को पूरी तरह मुस्तैद रखा जाएगा।

विद्युत विभाग सतर्क, निरंतर आपूर्ति की जिम्मेदारी

छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल ने पटाखा दुकानों के आसपास के इलाकों में बिजली आपूर्ति के लिए विशेष तैयारी की जा रही है। 24 घंटे का एक दल तैनात रहेगा, जो विद्युत आपूर्ति में किसी भी समस्या को तुरंत हल करेगा। इसके साथ ही, पटाखा विक्रय क्षेत्रों में विद्युत तारों को व्यवस्थित किया जाएगा।

नगर पालिका द्वारा सफाई और पानी की व्यवस्था

मुख्य नगरपालिका अधिकारी, बैकुंठपुर व सोनहत को निर्देश दिया गया है कि साफ-सफाई के लिए विशेष प्रबंध, पटाखा दुकानों के पास पानी के टैंकर और सफाई कर्मचारियों की तैनाती करने के निर्देश दिए गए हैं। दुकानों का लेआउट ऐसा होगा कि अग्निशमन वाहनों को आने-जाने में कोई बाधा न हो और दुकानों के सामने वाहन पार्किंग पर प्रतिबंध रहेगा।

जिला प्रशासन के इन इंतजामों का उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, ताकि सभी, दीपावली का त्योहार सुरक्षित और सुखद वातावरण में मना सकें।

राज्योत्सव के सफल संचालन के लिए कलेक्टर ने ली अधिकारियों बैठक

एक दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव 5 नवम्बर को

छ.ग. फ्रंटलाइन एमसीबी। छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर के आदेश क्रमांक एफ 10-06/2024/1-5, नया रायपुर, अटल नगर 01 अक्टूबर 2024 द्वारा राज्य स्थापना दिवस आयोजन के अवसर पर 05 नवम्बर 2024 को जिला मुख्यालय पर एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने हेतु निर्देश प्राप्त हुआ। इस संदर्भ में जिला मुख्यालय के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई।

कलेक्टर ने बैठक में कहा कि यह राज्य उत्सव कार्यक्रम शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मनेन्द्रगढ़ के मैदान में आयोजित होगा। कार्यक्रम के सुचारू संचालन हेतु श्री अनिल कुमार सिदार, अपर कलेक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि सहायक नोडल अधिकारी के रूप में श्री नितेश उपाध्याय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी डीआरडीए एवं श्री लिंगराज सिदार, अनुविभागीय दण्डाधिकारी मनेन्द्रगढ़ नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु वन मंडलाधिकारी एमसीबी को रेस्ट हाउस में अतिथियों के सत्कार एवं अन्य

आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें कार्यक्रम स्थल पर बांस-बल्ली की व्यवस्था भी शामिल है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था और पार्किंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला शिक्षा अधिकारी एवं सहायक संचालक उद्यान को गमले, फूल माला, बुके तथा मंच की सजावट की व्यवस्था सम्भालनी होगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, खनिज अधिकारी एवं कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग को मंच एवं ग्रीन रूम में जलपान, शाल, श्रीफल आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग को मंच निर्माण, स्टाल निर्माण, बैठने हेतु सोफा-कुर्सियों तथा कार्यक्रम स्थल पर चाय-नाश्ते की व्यवस्था का कार्य सौंपा गया है। कार्यपालन अभियंता जल संसाधन विभाग एवं सहायक जनसंपर्क अधिकारी को वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी और मीडिया बैठकों की व्यवस्था का दायित्व सौंपा गया है। कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कार्यक्रम स्थल पर पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे, जबकि सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग को सांस्कृतिक कार्यक्रम का संपूर्ण प्रबंधन सौंपा गया है, जिसमें यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम गरिमापूर्ण हो और फिल्मी गानों पर आधारित न हो। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन डिप्टी कलेक्टर प्रितेश सिंह राजपूत एवं संजय कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया जाएगा। अनुविभागीय अधिकारी (रा0) और तहसीलदार मनेन्द्रगढ़ के मार्गदर्शन में, स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का चयन अजय कुमार मिश्रा एवं संजय कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया जाएगा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद, मनेन्द्रगढ़ को कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, पानी के टैंकर, चलित सुलभ शौचालय की व्यवस्था तथा कार्यक्रम समाप्ति के बाद तत्काल साफ-सफाई सुनिश्चित करने का कार्य सौंपा गया है। जिला सेनानी एवं नगर सेना को कार्यक्रम स्थल पर फायर ब्रिगेड की व्यवस्था करनी होगी, और जिला परिवहन अधिकारी वीआईपी के लिए वाहन एवं परिवहन की व्यवस्था देखेंगे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ को निमंत्रण पत्र प्रिंटिंग की व्यवस्था का दायित्व सौंपा गया है। बैठक के अंत में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने निर्देश दिया कि सभी संबंधित अधिकारी, नोडल अधिकारी अपर कलेक्टर एवं सहायक नोडल अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी डीआरडीए जिला पंचायत/एमसीबी एवं श्री लिंगराज सिदार, अनुविभागीय दण्डाधिकारी मनेन्द्रगढ़ के मार्गदर्शन में सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करेंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) जिला पंचायत स्तर पर चयन हेतु दावा आपत्ति प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 05 नवम्बर

छ.ग. फ्रंटलाइन कोरिया। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत जिला पंचायत कोरिया द्वारा जिला पंचायत स्तर एवं जनपद पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण/आवास समन्वयक-01, तकनीकी सहायक-01 तथा लेखापाल के 01 स्वीकृत संविदा रिक्त पदों की पूर्ति हेतु 10 अक्टूबर कार्यालयीन समय सायं 05:00 बजे तक आवेदन आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद पात्र एवं अपात्र अभ्यर्थियों की सूची प्रकाशित कर दी गई है, जिसे जिले की आधिकारिक वेबसाइट Korea.gov.in और जिला पंचायत के सूचना पटल पर देखा जा सकता है। जिला पंचायत से मिली जानकारी के अनुसार, अभ्यर्थी 05 नवम्बर 2024 की शाम 5:30 बजे तक अपनी दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। यह दावा या आपत्ति स्वयं या डाक के माध्यम से स्वीकार की जाएगी। निर्धारित समय के बाद प्रस्तुत की गई आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

स्कूलों में शिक्षा गुणवत्ता सुधारने के लिए हर माह होगा निरीक्षण

73 अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी, कलेक्टर ने दिए निर्देश

छ.ग. फ्रंटलाइन कोरिया। जिले के सभी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की है। कलेक्टर त्रिपाठी ने जिले के सभी स्कूलों का निरीक्षण करने के लिए 73 अधिकारियों की टीम का गठन किया है। इन अधिकारियों में एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार समेत विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं, जो हर माह स्कूलों का निरीक्षण करेंगे।

इस निरीक्षण प्रक्रिया के तहत अधिकारियों को स्कूलों में शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति, पढ़ाई की गुणवत्ता, स्वच्छता, मध्यान्ह भोजन, पेयजल, शौचालय, बिजली, खेल सुविधा जैसी बुनियादी सुविधाओं का जायजा लेना होगा। साथ ही, विद्यार्थियों को मुहैया कराई जाने वाली सुविधाओं और शिक्षा व्यवस्था में आने वाली समस्याओं की पहचान कर, उनके समाधान हेतु सुझाव देने होंगे।

73 अधिकारी करेंगे निरीक्षण

बैकुंठपुर और सोनहत विकासखंडों के अंतर्गत आने वाले स्कूलों में, 52 अधिकारी बैकुंठपुर में और 21 अधिकारी सोनहत में निरीक्षण कार्य करेंगे। हर माह का निरीक्षण पूरा करने के बाद सभी अधिकारी अपने संकुल अंतर्गत आने वाले स्कूलों की स्थिति की रिपोर्ट जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपेंगे। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्कूलों में बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा और सभी आवश्यक सुविधाएं मिलें।

शिक्षा गुणवत्ता सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

जिला कलेक्टर की इस पहल को शिक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। श्रीमती चंदन त्रिपाठी का मानना है कि नियमित निरीक्षण से शिक्षा में सुधार के प्रयासों को गति मिलेगी और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी।

जिले में 9 प्रतिशत अधिक धान के रकबे का हुआ पंजीयन

छ.ग. फ्रंटलाइन जशपुरनगर। खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन हेतु शासन द्वारा पंजीयन कराया जा रहा है। जहां किसानों में 3100 रुपये धान का समर्थन मूल्य को लेकर वृहद उत्साह देखा जा रहा है। जहां पिछले वर्ष की तुलना में अब तक 4577 नवीन किसानों ने पंजीयन कराया है। वहीं पंजीकृत धान के रकबे में 9.05 प्रतिशत की वृद्धि भी दर्ज की गई है। इस वर्ष अब तक 49232 किसानों ने 93458.64 हेक्टेयर धान के रकबे का पंजीयन पूरा करा लिया है। इस वर्ष धान के रकबे में 8046.76 हेक्टेयर की वृद्धि भी हुई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा 16 अक्टूबर को कैबिनेट की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन तथा कस्टम मिलिंग की नीति का अनुमोदन किया गया था।

कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट परिसर का किया निरीक्षण

कार्यालय परिसर को व्यवस्थित रखना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी

छ.ग. फ्रंटलाइन जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने कलेक्टोरेट के विभिन्न शाखाओं को निरीक्षण किया। सभी विभाग प्रमुखों को अपने कार्यालय की नियमित साफ-सफाई, पुराने और कब्बाड़ सामानों को हटाने, जाले की साफ-सफाई, पानी के लिकेज को ठीक करने, टूटी हुई कुर्सियों को हटाने, अधिकारी-कर्मचारियों के टेबल पर नेम प्लेट लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि कार्यालय की साफ-सफाई कर परिसर को व्यवस्थित करके रखें। गंदगी पाए जाने पर विभाग प्रमुखों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि कार्यालय परिसर के इधर-उधर पान-गुटखा खाकर गंदी करने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा। कार्यालय

परिसर को व्यवस्थित रखना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निरीक्षण के दौरान परिसर के नाली की मरम्मत और झाड़ियों की सफाई करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कलेक्टोरेट परिसर में संचालित वाचक शाखा, स्टेनो शाखा, अधीक्षक शाखा, कलेक्टर आवक-जावक शाखा, अपर कलेक्टर कोर्ट रूम, लोक सेवा केन्द्र, जनसंपर्क कार्यालय, खनिज शाखा, भू-अभिलेख शाखा, जिला नाजिर शाखा, स्थापना शाखा, जिला कोषालय कार्यालय, जिला निर्वाचन शाखा, खाद्य विभाग, मत्स्य विभाग, क्रेड़ा विभाग, खेल विभाग, नगर निवेश कार्यालय, रेशम विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सहित शाखाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर विश्वस राव मस्के सहित विभिन्न विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

रोड़ निर्माण में लगे शासकीय रोलर की चोरी कर झारखंड के कबाड़ में बेचने वाला फरार आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा

छ.ग. फ्रंटलाइन कुनकुरी। प्रकरण के संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मामले का विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 12 अप्रैल 2024 को प्रार्थी रामदास राम उम्र 56 साल निवासी पीडब्ल्यूडी कालोनी बगीचा ने थाना बगीचा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह वर्ष 1998 से शासकीय रोलर DRR-23740 को चलाने का कार्य करता है। इसी दौरान कुछ दिन पूर्व प्रार्थी शासकीय काम करके रोलर को चला कर सरबकोम्बो के पास पहुंचा और उसी दौरान रोलर का क्राउन टूटकर खराब हो जाने एवं चलने योग्य नहीं होने से रोलर को एक घर के सामने रोड किनारे खड़ी कर दिया था और अपने विभाग वालों को सूचना दिया था। खराब पड़े हुये शासकीय रोलर को वह समय-समय पर देखने जाता था। दिनांक 05 अप्रैल 2024 को प्रार्थी उक्त शासकीय रोलर को ग्राम सरबकोम्बो के पास देखने गया तो उक्त रोलर वहां पर नहीं था। इस संबंध में ग्राम के लोगों के पूछने पर ज्ञात हुआ कि दो दिन पूर्व एक पीला रंग का क्रेन हाईड्रा से उठाकर उक्त रोलर को ले जाना बताया गया। प्रार्थी द्वारा आस-पास एवं ऑफिस में जाकर पता करने पर उक्त रोलर के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिला। कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा शासकीय रोलर DRR-23740 की चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट पर थाना बगीचा में धारा 379 भा.द.वि. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह द्वारा उक्त चोरी की घटना में आरोपी की पतासाजी एवं गिरफ्तारी हेतु एक स्पेशल टीम का गठन किया गया एवं सायबर सेल को भी संलिप्त किया गया था। प्रकरण की विवेचना दौरान एक विश्वस्त मुखबीर से सूचना मिली कि मो. तनवीर घटना समय के दौरान अंबिकापुर, कुनकुरी एवं नारायणपुर क्षेत्र में क्रेन की आवश्यकता

बताते हुये पता तलाश कर रहा था। इसी को आधार बनाकर पुलिस टीम द्वारा संदेही मो. तनवीर की पतासाजी की जा रही थी, जो काफी लंबे समय से अपने घर में भी नहीं जा रहा था। जशपुर पुलिस की टीम अनेकों बार उसके निवास में दबिश दे रही थी, किन्तु वह फरार चल रहा था। मुखबीर की सूचना एवं सायबर सेल से मो. तनवीर अंसारी के रायपुर में ट्रक चलाने की जानकारी प्राप्त होने पर तत्काल उसे रायपुर से अभिरक्षा में लेकर थाना बगीचा में लाया गया। पूछताछ में उसने बताया कि वह मार्च-अप्रैल 2024 में ट्रक क्रमांक - JH 09 BB 8305 में धान लोड करने अंबिकापुर गया था, अंबिकापुर में धान नहीं मिलने पर वह वापस आ रहा था, इसी दौरान इसे सरबकोम्बो के पास रोड किनारे खड़ी एक रोलर दिखा। मो. तनवीर अंसारी को बिक्री से कुल 30 हजार रूपये प्राप्त हुआ, जिसमें से 27 हजार रूपये को खर्च कर दिया है, बाकी बचे 03 हजार रूपये को पेश करने पर जप्त किया गया है। घटना में प्रयुक्त ट्रक क्रमांक JH BB 8305 का किस्त नहीं पटने पर फायनेंस कंपनी अपने कब्जे में ले लिया है। आरोपी मो. तनवीर अंसारी उम्र 30 साल के विरुद्ध अपराध सबूत पाए जाने पर उसे दिनांक 27अक्टूबर 2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा